● वर्ष-3
● अंक-139
रायपुर, गुरुवार
18 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

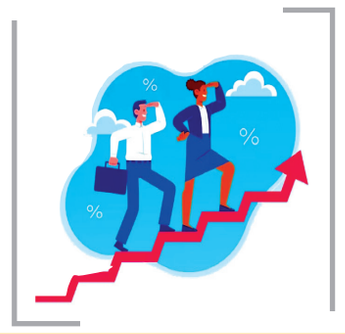

पेज-6›› नहीं मिल रही सरकारी नौकरी....

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दूसरे दिन चांदी से बनी रामलला की मूर्ति को मंदिर में करवाया गया भ्रमण

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है. बुधवार को रामलला की चांदी की मूर्ति को मंदिर परिसर का भ्रमण करवाया गया. हालांकि, यह वह मूर्ति नहीं है जिसे 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा. गुलाब और गेंदे की मालाओं से सजी मूर्ति को फूलों से सजी पालकी के अंदर रखा गया था. पुजारियों ने इसे मंदिर परिसर के चारों ओर घुमाया.

शिक्षित बेरोजगारों को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट

मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट की अवधि को पांच साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। अभ्यर्थियों को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ 31 दिसम्बर 2028 तक मिलेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष में दी गई, पांच वर्ष की छूट अवधि को 01 जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2028 तक अर्थात् पांच वर्ष तक बढ़ाए जाने एवं अन्य विशेष वर्गों के लिए अधिकतम आयु सीमा में देय छूट को यथावत रखते हुए सभी छूटों को मिलाकर अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष यथावत निर्धारित रहेगी। यह छूट गृह (पुलिस) विभाग के लिए लागू नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला पुलिस आरक्षण संवर्ग में भर्ती के लिए वर्ष 2018 में 2259 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। इसके पश्चात लगभग 5 वर्ष उपरांत दिनांक 04/10/2023 को जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग के 5967 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। ऑनलाईन आवेदन लेने की प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए मंत्रिपरिषद द्वारा पुरूष अभ्यर्थियों को उच्चतर आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों की माननीय न्यायालयों से वापसी के लिए नवीन मंत्रिपरिषद की उपसमिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

एलडीएफ-यूडीएफ का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचार का पर्यायः मोदी

भाजपा के पास भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण

नई दिल्ली। दक्षिणी राज्य केरल में अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की आलोचना की, और कहा कि उनका ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचार के इतिहास का पर्याय रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से इस संदेश को लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया। शक्तिकेंद्र प्रभारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा भारत में एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके पास तेज विकास का ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों ने केरल में भाजपा का झंडा ऊंचा रखा है। मैं आपके सामने सिर झुकाता हूं - जो लोग राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी भारत की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा कि केरल के लोगों का प्यार और समर्थन मुझे प्रेरित करता है। आज पहले, मैं भगवान गुरुवायुरप्पन का आशीर्वाद लेने के लिए गुरुवायुर मंदिर गया और मंदिर के बाहर हजारों लोग मुझे आशीर्वाद देने के लिए एकत्र हुए। उन्होंने दावा किया कि आज भाजपा जन-जन की पार्टी बन गयी है।

यह एकमात्र पार्टी है जिसके पास तेज विकास का ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है। मोदी ने कहा कि गरीब, महिला, युवा और किसान ये चार श्रेणियां हैं जिनका सशक्तिकरण एक विकसित भारत की नींव रखेगा। यह केवल भाजपा है जो इन लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पारदर्शी नीतियों के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि महज 9 साल में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। जबकि कांग्रेस ने पांच दशक तक सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया। यह दर्शाता है कि विकसित भारत के लिए हमने जो रास्ता चुना है वह सही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम लोगों की जेब से होने वाले खर्च को कम करने में मदद करते हुए खर्च योग्य आय बढ़ाने की आकांक्षा रखते हैं। आयुष्मान भारत योजना से लोगों को 1 लाख करोड़ रुपये बचाने में मदद मिली है। जन औषधि केंद्रों पर दी गई छूट से लोगों को 25,000 करोड़ रुपये से अधिक बचाने में मदद मिली है। भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया अब भारत को विश्वामित्र के रूप में बोलती है।

अखिलेश ने न्याय यात्रा से बना ली दूरी

एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं की बैठक हुई है। कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति ने दिल्ली में समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ बातचीत की है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बैठक के बाद कहा कि हमने एक-दूसरे के साथ हर सीट की जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश पहुंचने से पहले गठबंधन हो जाएगा। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि हमने आधा रास्ता तय कर लिया है और बाकी आधा रास्ता भी जल्द ही तय कर लिया जाएगा। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं। दोनों ही दलों के बीच मुख्यत: उत्तर प्रदेश को लेकर सीट बंटवारे में समझौता होने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारा एक टेढ़ी खीर मानी जा रही है। इसका बड़ा कारण यह है कि समाजवादी हर हाल में 65 से ज्यादा सीटों पर अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं, कांग्रेस 25 से कम सीटों पर तैयार नहीं है। इसके अलावा कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम को भी फाइनल करने की शुरुआत कर दी है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि आखिर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारा कैसे हो पता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि पश्चिम में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल की अपनी अलग पकड़ है। राष्ट्रीय लोक दल भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस को ढटका देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ''न तो कांग्रेस हमें अपने कार्यक्रमों में बुलाती है, न ही भाजपा।''

'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने का न्योता मिलने पर ही वीबीए भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होगीः आंबेडकर

वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा कि वह तभी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होंगे जब वीबीए को 'इंडिया' गठबंधन और महा विकास आघाडी (एमवीए) में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। आंबेडकर ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। इससे पहले आंबेडकर को मणिपुर से रविवार को शुरू हुई यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कई बार पत्र लिखे जाने के बावजूद वीबीए को 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस)गठबंधन या महाराष्ट्र की महा विकास आघाडी में शामिल नहीं किया गया है।

फिर दुनिया पर मंडराया खतरा! चूहों पर नए घातक वायरस का टेस्ट कर रहा चीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र होता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे। लेकिन अब चीन को लेकर एक नया दावा सामने आया है। कहा जा रहा है कि कोरोना के नए स्ट्रेन को फैलाने के लिए चूहों का प्रयोग कर रहा है। प्री-पीयर समीक्षा जर्नल लेखों के डेटाबेस पर आई एक रिपोर्ट पर विश्वास किया जाए, तो चीन एक नए घातक कोविड जैसे वायरस पर काम कर रहा है। ये चूहों के लिए 100 प्रतिशत घातक है और मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है। 3 जनवरी को बायोरेक्सिव वेबसाइट पर प्रकाशित पेपर में दावा किया गया कि चीनी सेना द्वारा प्रशिक्षित डॉक्टरों ने तथाकथित पैंगोलिन कोरोना वायरस का अपना वर्जन तैयार किया है।

गिरिधर ने पत्नी और बेटे के साथ थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और फिर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होने के बाद बुधवार को फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। नौ बार के लोकसभा सांसद अपनी पत्नी हेमा और बेटे शिशिर के साथ सबसे पुरानी पार्टी में शामिल हुए। गमांग ने भगवा पार्टी से हाथ मिलाने के लिए 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी। गमांग, जो कोरापुट क्षेत्र के एक प्रमुख आदिवासी नेता हैं, ने ओडिशा के मुख्यमंत्री और साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा कि आज कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन जी और उड़ीसा कांग्रेस प्रभारी डॉ अजॉय कुमार जी की उपस्थिति में उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग जी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।

प्रमुख समाचार

भगवान राम ने खुद बिना मंदिर के एक शिवलिंग की स्थापना की थी

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को ज्योतिषमठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की राम मंदिर आयोजन की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान राम ने खुद बिना मंदिर के एक शिवलिंग की स्थापना की थी। शंकराचार्य ने कहा था कि वह 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे क्योंकि भगवान राम की मूर्ति एक निर्माणाधीन मंदिर में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे अन्य प्रावधान हैं जहां आप प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का निर्माण जारी रख सकते हैं। तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्वयं भगवान राम ने एक शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की थी। उस समय वहां कोई मंदिर नहीं था. उनके पास मंदिर बनाने का समय नहीं था. उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की और बाद में मंदिर बनाया गया। शंकराचार्य की टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया और विपक्ष ने सरकार से सवाल किया कि वह जल्दबाजी में मंदिर का उद्घाटन क्यों कर रही है। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक ने कहा कि मदुरै और तिरूपति बालाजी मंदिर छोटे हैं। इनका निर्माण बाद में राजाओं द्वारा कराया गया।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का मैनिफेस्टो लोगों का घोषणापत्र होगा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस का 2024 का लोकसभा चुनाव घोषणापत्र लोगों का घोषणापत्र होगा, जिसके लिए देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे, क्योंकि पार्टी ने लोगों से अपने चुनाव घोषणापत्र के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि सुझाव एकत्र करने का मुख्य माध्यम सार्वजनिक परामर्श होगा, जो हर राज्य में आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, कांग्रेस ने एक वेबसाइट awaazbharatki.in और एक ईमेल पता - awaazbharatki@inc - लॉन्च की है, जहां लोग अपने सुझाव भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में जितना संभव हो उतने लोगों को शामिल करने का वादा किया है। वेबसाइट आगंतुकों को विषयवार अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अनुमति देगी। कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष चिदंबरम ने कहा कि हम भारत के लोगों को ईमेल द्वारा अपने सुझाव भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं।

निमंत्रण नहीं मिला, पूरे परिवार के साथ जाना चाहता हूं अयोध्या

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अभिषेक (प्राण प्रतिष्ठा) समारोह में शामिल होने की अपनी योजना पर चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि उन्हें अभी तक कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे 22 तारीख को अपना शेड्यूल फ्री रखने के लिए कहा गया था, लेकिन उसके बाद कोई निमंत्रण नहीं भेजा गया। उस पत्र में लिखा था कि सुरक्षा और वीआईपी मूवमेंट की दृष्टि से केवल एक व्यक्ति को आना है। केजरीवाल ने कहा कि मैं अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाना चाहता हूं, मेरे माता-पिता अयोध्या जाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। लेकिन निमंत्रण कोई भी हो, मैं अयोध्या जाऊंगा। मैं 22 जनवरी के बाद शहर का दौरा करूंगा। इससे पहले आज, वरिष्ठ आप नेता सौरभ भारद्वाज ने संकेत दिया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के अपनी पसंद के समय पर धार्मिक स्थल का दौरा करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पहले भी वहां जा चुके हैं। कनेक्शन भगवान राम से है।

पन्नू की धमकी के बाद मान ने कहा- 'पंजाब विरोधी' ताकतों को सफल नहीं होने देंगे

नई दिल्ली। भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किये गये गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी को धमकी दिये जाने के एक दिन बाद बुधवार को मान ने कहा कि वह राज्य की शांति और समृद्धि के संरक्षक हैं और इस तरह की धमकी के हथकंडे उन्हें काम करने से नहीं रोक सकते। युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के लिए आयोजित कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री मान ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा पंजाब विरोधी ताकतों के प्रति लागू की गई कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और विदेश में सुरक्षित पनाहगाहों से देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों को वापस लाकर दंडित करने के प्रयासों की वजह से ऐसी धमकी मिलना स्वभाविक है। उन्होंने कहा कि ये लोग राज्य में कड़े प्रयासों से स्थापित शांति को भंग करना चाहते हैं लेकिन उनकी सरकार ऐसी ताकतों को उनके नापाक मंसूबों को अंजाम नहीं देने देगी। मान ने कहा, ''ऐसे पंजाब विरोधी रुख के साजिशकर्ताओं ने विदेशों में शरण ले रखी है, लेकिन हम उन्हें वापस लाने और उनके पापों की सजा देने की कोशिश कर रहे हैं।''

एयरस्ट्राइक के बाद पाक ने ईरान से अपने राजदूत को वापस बुलाया

नई दिल्ली। बलूचिस्तान प्रांत पर हमले शुरू करने के बाद पाकिस्तान ने बुधवार को ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया। इसके अलावा, पाकिस्तान में फिलहाल तेहरान में मौजूद ईरानी राजदूत को भी फिलहाल वापस न लौटने के लिए कहा गया है। यह तब आया है जब ईरान ने कहा कि उसने बलूचिस्तान में जैश उल-अदल आतंकवादी समूह के दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। पाकिस्तान ने हमले की पुष्टि करते हुए दावा किया कि हमले में दो बच्चे मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे ईरान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन बताया। इसमें कहा गया कि हमले में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता के उल्लंघन का पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जैश अल-अदल आतंकवादी समूह से जुड़े दो ठिकानों को निशाना बनाए जाने के ईरान के दावों के मद्देनजर पाकिस्तान ने पड़ोसी देश द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी कि इस प्रकार के कदमों का गंभीर परिणाम हो सकता है।

किस मजबूरी में किया मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान?

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी दलों का मोर्चा बनाने की कोशिशों में जुटी कथित सांप्रदायिकता विरोधी वैचारिकी और राजनीति को मायावती से बड़ा झटका लगा है। अपने 68वें जन्मदिन पर मायावती ने विपक्षी राजनीतिक ताकतों को निराश करते हुए साफ कर दिया कि आगामी आम चुनावों में उनका दल किसी अन्य दल के साथ गठबंधन नहीं करने जा रहा है। अपने इस कदम से मायावती, जहां वाम वैचारिकी केंद्रित बौद्धिकता के निशाने पर आ गई हैं, वहीं राष्ट्रवादी खेमे में उनके कदम को लेकर राहत का भाव देखा जा रहा है। वहीं एक तीसरा वर्ग भी है, जो माया के इस कदम को चकित भाव से देख रहा है। वाम वैचारिकी का तो बाकायदा तर्क है कि मायावती दरअसल ईडी और सीबीआई से डर गई हैं। क्योंकि इन दोनों ही मजबूत हथियारों का नियंत्रण भारतीय जनता पार्टी के हाथ है। माया विरोधियों का तर्क है कि माया के इस कदम से भारतीय जनता पार्टी को ही फायदा होगा।

मीडिया और चुनाव विश्लेषकों की आदत है कि वे भावी चुनावों का आकलन अतीत के चुनावों में मतदाताओं के रूख के लिहाज से करते हैं। फिर वे जिस दल के समर्थक या विरोधी होते हैं, उसके पक्ष या विपक्ष में आंकड़ों का विश्लेषण कर डालते हैं। चूंकि विश्लेषक भी मानव हैं और मानवोचित स्वभाव उनकी भी मजबूरी है। इसलिए ऐसे विश्लेषण होने स्वाभाविक भी हैं। विश्लेषण करते वक्त भारतीय समाज के बहुविध आधार, स्थानीय चुनौतियां और राष्ट्रीय स्तर के माहौल का भी ध्यान रखना चाहिए। पिछले कुछ चुनावों से अगर खबरों की दुनिया के बादशाहों का विश्लेषण और आकलन चूक रहा है तो इसकी एक बड़ी वजह उनका आग्रह और बनी-बनाई लकीर पर चलती उनकी सोच है। लेकिन दुनिया इससे कहीं आगे निकल गई है। मायावती के कदम से भारतीय जनता पार्टी को ही फायदा होगा और विपक्षी गठबंधन को नुकसान होगा, जैसी सोच भी इसी पारंपरिक सोच का ही नतीजा है।

माया के साथ आने से इंडिया गठबंधन को फायदा होगा या नुकसान, इसका विश्लेषण करने के पहले बीएसपी के कुछ चुनाव नतीजों की ओर ध्यान देना जरूरी है। बहुजन समाज पार्टी को गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता, 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली। उस दौरान नारा लगा था, मिले मुलायम कांसीराम, हवा हो गए जय श्रीराम.. बेशक तब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी गठबंधन सत्ता में आया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को 1991 के विधानसभा चुनाव की बनिस्बत ज्यादा ही वोट मिला था। भाजपा को 1991 में 31.45 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि 1993 में भाजपा को 33.3 प्रतिशत वोट मिला। दिलचस्प यह है कि इस चुनाव में पिछले चुनाव में 41 सीटों की बजाय बीजेपी के सिर्फ 20 उम्मीदवारों की ही जमानत जब्त हुई थी। 1993 के चुनाव में एसपी और बीएसपी ने 176 सीटों पर जीत दर्ज की थी। एसपी को 109 और बीएसपी को 67 सीटें मिली थीं। समाजवादी पार्टी को 17.9 और बीएसपी को 11.12 प्रतिशत वोट मिले। उस दौरान बीएसपी और एसपी के वोट बैंक एक-दूसरे को ट्रांसफर हुए थे। इसी की वजह से राम लहर के बावजूद बीजेपी को यूपी में हार मिली थी।

1993 की जीत ने एक संदेश दिया कि अगर दोनों दल एक-दूसरे से मिलें तो उनके वोट बैंक ट्रांसफर होंगे और भारतीय जनता पार्टी को अलग रखा जा सकता है। इसके बाद बीएसपी का कभी कांग्रेस से तो कभी समाजवादी पार्टी से गठबंधन रहा। इसके पहले हालांकि गठबंधन की राजनीति केंद्र में परवान चढ़ चुकी थी, जब 1989 के चुनावों में छोटे-छोटे दलों के सहयोग से जनता दल ने सरकार बनाने में कामयाबी हासिल की थी। इसके बाद ही भारतीय राजनीति ने एक सिद्धांत गढ़ा कि गठबंधन की राजनीति के दिन आ गए। उसकी ही उपज बीएसपी भी रही। 1996 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ बीएसपी ने गठबंधन किया। इस चुनाव में बीएसपी को ज्यादा फायदा हुआ। बीएसपी आगे भी बढ़ती रही। 2007 में तो खुद के दम पर बहुमत हासिल करके सरकार बनाने में कामयाब रही। लेकिन बाद के दिनों में बीएसपी की स्थिति बेहतर नहीं रह पाई। 2014 में मोदी लहर के दौरान बहुजन समाज पार्टी को उत्तर प्रदेश में एक भी लोकसभा सीट पर कामयाबी नहीं मिली। इसका नतीजा यह हुआ कि 2019 में बुआ यानी मायावती और बबुआ यानी अखिलेश यादव का गठबंधन हुआ और इस गठबंधन ने राज्य की 15 सीटें जीत लीं। जिसमें से दस तो बीएसपी को ही मिली।

इन चुनावों की ओर देखेंगे तो एक बात स्पष्ट रूप से नजर आती है कि बीएसपी ने जब भी किसी से गठबंधन किया, उसमें खुद को मजबूत स्थिति में रखा। 1993 का चुनाव अपवाद है। बाकी हर बार बहुजन समाज पार्टी ने गठबंधन करते वक्त यह ध्यान में रखा कि वह आगे रहे और उसकी मर्जी चले। इसका उदाहरण 2019 का आम चुनाव भी है, जिसमें उसे समाजवादी पार्टी की तुलना में अपेक्षाकृत आसान सीटें मिलीं। फिर उसने सबसे ज्यादा यानी 38 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि समाजवादी पार्टी को 37 और बाकी पांच सीटें राष्ट्रीय लोकदल और दूसरे छोटे दल को मिली। 38 में मायावती को दस सीटों पर कामयाबी मिली। जिनमें से एक वह दानिश अली भी हैं, जो अब राहुल गांधी के सहयोगी हो गए हैं। सवाल यह है कि इंडिया गठबंधन में अगर मायावती जाती हैं तो क्या उन्हें इस बार फिर पिछली बार की तरह तवज्जो मिलेगी? इस प्रश्न का जवाब निश्चित तौर पर ना में है। 1995 के गेस्ट हाउस कांड के बाद से मायावती ने एक सबक लिया है कि खुद को आगे और ताकतवर रखो।

छत्तीसगढ़ में पीपीपी मॉडल पर चल सकते हैं गौठान!

कोरबा। छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के बाद गौठानों से जुड़े लोग और पशुपालक इस पशोपेश में थे कि गौठान अब चलेंगे या बंद हो जाएंगे। बीते दिनों केंद्रीय पंचायत मंत्री गिरिराज सिंह ने गौठान योजना पर अपना रुख साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि गौठान लोगों के उत्थान का केंद्र होगा। यानी भाजपा, भूपेश सरकार की फ्लैगशिप योजना नरवा, गरवा, घुरवा बाड़ी योजना को बंद करने के मूड़ में फिलहाल नहीं है।

प्रदेश में सरकार बदलते ही फिलहाल गौठानों में काम पूरी तरह से रुके हुए हैं। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं। गौठानों में किसी भी तरह की गतिविधि बंद है। यहां आने वाले गायों को सिर्फ चारा पानी का इंतजाम किया जा रहा है।

नरवा, गरवा, घुरवा बाड़ी योजना के तहत गौठानों का संचालन किया जाता था। कोरबा के गोकुल नगर में संचालित गौठान का स्थानीय स्तर पर महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से होता था। पूरा कंट्रोल महिलाओं के हाथों में था। गोबर खरीदी के साथ ही गोबर गैस और खाद बनाया जाता था। स्व सहायता समूह की महिलाएं उसी खाद से गौठानों में सब्जियां भी उगाती थी और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचकर पैसे भी कमाती थी।

गौठान समिति के सदस्य चैतराम ने कहा पहले गोबर खरीदी होती थी अब बंद हो गई है। पहले वर्मी कंपोस्ट बनाते थे। अब सब बंद है। सरकार बदलने के बाद सब बंद हो गया है। गायों को सिर्फ दाना पानी दिया जा रहा है। पहले 500 गाय गौठान में रहती थी।

गौठानों में गायों को चारा पानी देने के अलावा और कोई भी काम नहीं किया जा रहा है। लेकिन जल्द गौठानों में पहले जैसी रौनक दिखने लगेगी। केंद्रीय पंचायत मंत्री

गिरिराज सिंह बीते दिनों कोरबा दौरे पर थे। वहां उन्होंने कहा कि गौठान लोगों के उत्थान का मार्ग बनेंगे। उन्होंने सार्वजनिक उपक्रमों को भी इससे जोड़ने की बात कही है। हालांकि गौठानों का संचालन अब किस तरह से होगा? इसका मॉडल क्या होगा? और क्या गौठानों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को जोड़कर इसके प्राइवेटाइजेशन की दिशा में भी कोई प्लान है? यह बातें फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन गिरिराज सिंह ने यह जरूर साफ कर दिया है कि प्रदेश के गौठान फिलहाल बंद नहीं किए जाएंगे।

साल 2018 में कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सत्ता में आई। भूपेश बघेल ने चुनाव के पहले ही नारा दिया था कि नरवा, गरवा,घुरवा अउ बाड़ी एला बचाना हे संगवारी। इसी तर्ज पर उन्होंने इस सुराजी गांव योजना को लॉन्च किया। गांव-गांव में गौठान बनाए गए। अकेले कोरबा जिले में 332 गौठान हैं। इस योजना के तहत नरवा (बरसाती नाले), गरवा (पशुधन), घुरवा (कम्पोस्ट खाद निर्माण) और बाड़ी (सब्जी और फलोद्यान) के संरक्षण एवं संवर्धन का अभियान शुरू किया गया।

20 जुलाई 2020 को पूर्व कांग्रेस सरकार ने गोधन न्याय शुरू की। योजना के तहत दो रुपए किलो में गोबर खरीदी और 4 रुपये लीटर की दर पर गोमूत्र की खरीदी शुरू हुई। इस योजना के तहत ग्रामीणों और गोबर संग्राहकों को और गौठान समितियों के समूहों को 4 साल में 169.41 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोधन न्याय योजना के तहत खरीदे गए गोबर से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट बनाया गया। 300 ग्रामीण औद्योगिक पार्क की शुरुआत हुई। जिसमें मूर्तियां, अगरबत्ती, गोबर से पेंट जैसे उत्पादों का निर्माण, चप्पल से लेकर कई उत्पाद महिला समूह द्वारा बनाने की शुरुआत हुई। गौठानों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम हुए।

गौठान कांग्रेस सरकार की फ्लैगशिप योजना थी। लेकिन सत्ता में आने के पहले तक भाजपा नेता लगातार गौठानों को लेकर घोटाले के आरोप लगाते रहे हैं। स्थानीय से लेकर केंद्रीय नेताओं ने भूपेश बघेल पर गोबर घोटाले का आरोप लगाया। गौठानों को घोटालों का केंद्र बिंदु बताया। लालू के चारा घोटाले से भी गोबर घोटाले की तुलना की गई थी।

लेकिन अब भाजपा सरकार गौठानों को बंद करने के मूड में नहीं है। कोरबा दौरे के दौरान केंद्रीय पंचायत मंत्री गिरिराज सिंह ने अधिकारियों की मीटिंग के दौरान गौठान में सार्वजनिक उपक्रमों के सहभागिता की बात भी कही। कोरबा में एनटीपीसी, बालको एसईसीएल और सीएसईबी के अधिकारियों की बैठक में भी उन्होंने कहा कि गौठान में सार्वजनिक उपक्रमों की सहायता ली जाएगी। जिसके बाद यह चर्चा उठने लगी है कि अब गौठानों का प्राइवेटाइजेशन भी किया जा सकता है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के सैकड़ों छात्र बैठे धरने पर

प्रिंसिपल को हटाने की कर रहे मांग

लोरमी। मुंगेली जिले के लोरमी तहसील के बंधवा गांव में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 420 बच्चे अध्यनरत है। यहां आज सुबह 9 बजे से ही बच्चे भूखे पेट अपने कई मांगों को लेकर एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन में बैठ गए हैं। कई बार शिकायत के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण विद्यार्थियों का गुस्सा फूट गया है। छात्र अपने हाथ में तख्ता लिए प्रभारी प्रिंसिपल को हटाने की मांग कर रहे हैं। साथ ही छात्र-छात्राएं जब तक मांग पूरी नहीं होगी तब तक धरना प्रदर्शन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

बता दें कि, आज सुबह से ही पढ़ाई के समय बच्चे धरना प्रदर्शन में बैठे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह ठप है। मिली जानकारी के मुताबिक, छात्र-छात्राओं की ओर से अपनी कई मांगों को लेकर विद्यालय प्रबंधन को कई दफा सूचना दी गई। बावजूद इसके महीनों बाद उनकी मांगों पर कोई अमल नहीं हुआ। इसके चलते आज सुबह से ही बच्चे धरना प्रदर्शन बैठ गए हैं।

वहीं, धरना प्रदर्शन से एक तरफ बच्चों की पढ़ाई तो प्रभावित हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ एकलव्य आवासीय आदर्श आवासीय विद्यालय प्रबंधन की पोल खोलती हुई नजर आ रही है।

हालांकि सैकड़ों बच्चे सुबह से ही धरने में बैठे हैं। छात्राओं का कहना है कि मुंगेली जिले के जवाबदार अधिकारी जब तक मौके पर आकर समस्या का निराकरण नहीं करेंगे तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

वहीं, बच्चों के धरना प्रदर्शन को लेकर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के पालक समिति के अध्यक्ष गुलाब सिंह मंडावी ने विद्यालय प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब बच्चों के लिए करोड़ों रुपए का फंड आ रहा है, तब उन्हें समय पर सुविधा क्यों नहीं मिल रहा है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि को भी दोषी हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों की ओर से अध्ययन कार्य से लेकर मेनू में खाना न मिलना से लेकर अन्य सुविधा के लिए मोहताज होना पड़ रहा है, जिसके चलते आज छात्र-छात्राएं धरना प्रदर्शन बैठ गए हैं।

हेड मास्टर घर बैठे ले रहे सैलरी, किराये के टीचर गढ़ रहे नौनिहालों का भविष्य

कवर्धा। आपने किराये पर सामान ,गाड़ी या घर लेने की बात तो सुनी होगी।लेकिन आज हम आपको जो वाक्या बताने वाले हैं उसमें किराये पर शिक्षक स्कूल में रख लिए गए।वो भी एक नहीं दो-दो। ये पूरा मामला कवर्धा के बोड़ला ब्लॉक का है।जहां के सुदूर वनांचल क्षेत्र के लावा प्राथमिक स्कूल में दो किराए के शिक्षिकाएं अध्यापन कार्य करवा रही हैं।वहीं जिस प्रधान पाठक की ड्यूटी इस स्कूल में लगी है वो कभी कभार स्कूल में मुंह दिखाई के लिए आ जाते हैं।

आपको बता दें कि इस स्कूल में पढ़ने वाली बच्चों की संख्या 17 है।जब ईटीवी भारत की टीम स्कूल में पहुंची तो बच्चों को पढ़ाने वाली शिक्षिकाओं के मुंह में ताला लग गया।ये दोनों शिक्षिकाएं एक ही क्लास रूम में बच्चों को पढ़ा रहीं थी।वहीं जब बच्चों से शिक्षिकाओं के बारे में पूछा गया तो सारा मामला उजागर हो गया। जो शिक्षिकाएं बच्चों को पढ़ा रही हैं वो गांव में ही रहती है।जो खुद बारहवीं में पढ़ रही हैं। आरोप है कि हेड मास्टर कमलदास मुरचले ने अपनी सैलरी में से 3-3 हजार देकर दोनों छात्राओं को स्कूल में रखा। इन्हीं की मदद से बच्चों की पढ़ाई पूरी करवाई जा रही है।स्कूल के बच्चों की माने तो हेड मास्टर स्कूल आते नही हैं। प्रधान पाठक ने अपने बदले मे 2 महिला टीचरों की व्यवस्था कर दिए ताकि सरकारी तनख्वाह मिलती रहे

और पढ़ाने की झंझट भी ना रहे। इसलिए गांव की ही दो मैडमों की नियुक्ति कर दी है।वहीं इस सबंध में जिला शिक्षा अधिकारी से बात करने पर उन्होंने उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। प्रभारी डीईओ एमके गुप्ता ने कहा इस बारे में मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है।स्कूल में दो छात्राओं को बच्चों को पढ़ाने के लिए रखा गया है।हो सकता है कि शाला प्रबंधन समिति ने छात्राओं को रखा हो।ये जांच का विषय है। यदि हेड मास्टर स्कूल नहीं आ रहे हैं तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षिकों की कमी को पूरा कर रही है। स्कूलों में अच्छी व्यवस्थाओं के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है।लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां अफसरों के निरीक्षण ना करने का फायदा सीनियर शिक्षक उठा रहे हैं। वो इसी तरह घर बैठे सैलरी लेकर किराए के शिक्षिकों से बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

शबरी और नारायण के प्रेम, आस्था और विश्वास की नगरी है शिवरीनारायण

जांजगीर-चाम्पा। जांजगीर-चाम्पा जिला से भगवान राम का बहुत करीब से नाता है, यहां प्रभु राम ने वनवास के बहुत समय बिताये हैं। प्रभु राम ने यहां भाई लक्ष्मण के साथ शबरी के जूठे बेर खाए थे, इस प्रकरण का गवाह वह पेड़ है, जिसके पत्तों की आकृति दोना के सामान है। मान्यता है कि माता शवरी ने पेड़ के पत्तों में बेर रख कर खिलाए थे। इस वट वृक्ष का वर्णन तमाम युगों में मिलने के कारण इसका नाम अक्षय वट वृक्ष है।

जांजगीर-चांपा जिले के धार्मिक नगरी शिवरीनारायण को गुप्त प्रयाग कहा जाता है। यहां तीन नदी महानदी, शिवनाथ और जोक नदी का त्रिवेणी संगम हैं। शिवरीनारायण को नाम माता शवरी और नारायण के अटूट प्रेम के कारण पड़ा, जहां भक्त का नाम नारायण के आगे रखा गया है। बड़े मंदिर याने नर नारायण मंदिर के पुजारी प्रसन्न जीत तिवारी ने बताया कि शिवरीनारायण को छत्तीसगढ़ के जगन्नाथपुरी के नाम से जाना जाता हैं।

मान्यता हैं कि भगवान जगन्नाथ स्वामी का मूल स्थान शिवरीनारायण है। मान्यता है कि आज भी साल में एक दिन माघी पूर्णिमा में भगवान जगन्नाथ शिवरीनारायण आते हैं, यहां मंदिर में रोहिणी कुण्ड है, जिसका जल कभी

कम नहीं होता। भगवान नर नारायण का चरण कर कुंड कर जल हमेशा अभिषेक करते रहते हैं। शिवरीनारायण मठ मंदिर के पुजारी त्यागी जी महराज ने ने बताया कि छत्तीसगढ़ को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का ननिहाल और उनकी कर्मभूमि भी है। 14 वर्षों की कठिन वनवासकाल में श्रीराम ने अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में ही बिताया, माता कौशल्या की जन्मभूमि के कारण छत्तीसगढ़ में श्रीराम को भांजे के रूप में पूजा जाता है।

शिवरीनारायण धाम के बारे में बताया कि यही वो पावनभूमि है। जहां भक्त और भगवान का मिलन हुआ था। भगवान राम ने शबरी की तपस्या से प्रसन्न होकर न केवल उन्हें दर्शन दिए, बल्कि उनकी भक्ति और भाव को देखकर जूठे बेर भी खाया। आज भी शबरी और राम के मिलन का ये पवित्र स्थान आस्था का केंद्र बना हुआ है।

दंतेवाड़ा में कैदियों को जिला प्रशासन बना रहा आत्मनिर्भर

दंतेवाड़ा। अपराध करने के बाद कानून अपराधी को सजा देता है। जिसके कारण अपराधी अपने किए गए अपराध की सजा जेल के अंदर काटता है।लेकिन जेल के अंदर गया शख्स जब बाहर निकलता है तो उसे अपना जीवन यापन करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि बाहर की दुनिया से कटा होने के कारण सजा काटकर आए शख्स को कोई काम नहीं मिलता।इसलिए कई लोग दोबारा जुर्म का रास्ता अख्तियार कर लेते हैं। जेल में बंद कैदियों की इस मुश्किल को दंतेवाड़ा जेल प्रबंधन ने समझा।इसलिए अब जेल प्रबंधन कैदियों को आत्मनिर्भर बना रहा है।

दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की अभिनव पहल और जेल अधीक्षक गोवर्धन सोरी के मार्गदर्शन में आरसेटी (रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग) डायरेक्टर एमआर राजू के निर्देशन में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) दंतेवाड़ा जेल में कैद बंदियों को 10 दिवसीय फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी का ट्रेनिंग दे रहा है।जिसमें आरसेटी की कुकिंग ट्रेनर श्रुति

अग्रवाल कैदियों को फास्ट फूड जैसे भेलपुरी, पानी पुरी, मोमोज, मंचूरियन, चाउमीन, समोसा, कचौड़ी, पाव भाजी, वेज पुलाव, पकोड़ा तैयार करने की ट्रेनिंग दे रही है। कैदी अमित सोरी ने कहा दस दिन का सर लोगों ने ट्रेनिंग दिया गया है।स्व रोजगार के लिए ट्रेनिंग कर रहा हूं। यहां पर सब पानीपुरी, समोसा, भजिया और हर प्रकार के व्यंजन बनाना सीखा रहे हैं।यहां के सर हर तरह की योजना का काम करना सिखाते हैं। कैदी विजूराम ने कहा मैं जिला जेल दंतेवाड़ा में हूं।मैं यहां दस दिन का ट्रेनिंग ले रहा हूं। नाश्ता बनाने का काम सीखा हूं।पहले मसाला बनाने में दिक्कत होता था।लेकिन अब ऐसा नहीं है। ट्रेनिंग प्रोगाम में फैकल्टी के धनंजय टंडन और ओम प्रकाश साहू भी कैदियों को जिस भी काम में रुचि है, उन्हें उसी के हिसाब से प्रशिक्षण दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

स्वास्थ्य मंत्री ने आपातकालीन आईसीयू का किया उद्घाटन

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तातापानी महोत्सव के समापन अवसर पर पहुंचे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल के पूरे परिसर में भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ओ.पी.डी पर्ची कांउटर, डायलिसिस यूनिट, सर्जीकल वार्ड, मेडिकल वार्ड एवं एसएनसीयू का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल के द्वारा आपातकालीन आईसीयू का उद्घाटन किया गया, इससे स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा। इस दौरान सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, पूर्व सांसद श्री कमलमान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेना जमील, मंडल अध्यक्ष श्री आशीष सिंह (अंश), डॉ. पी.एस. सिसोदिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.सी. बैनर्जी आदि उपस्थित थे।

भिलाई स्टील प्लांट के बार एंड रॉड मिल में भीषण आग

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में फिर हादसा हो गया है। बार एंड वायर रॉड मिल-बीआरएम में भीषण आग लगी है। सुबह साढ़े 7 बजे के करीब मिल में भीषण आग लग गई। आग को काबू करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए हैं। भिलाई स्टील प्लांट में भीषण आग बताया जा रहा है कि ईसीआर-1 के पीछे सब स्टेशन के पास आग लगी है। आग लगने के बाद पूरा मिल एरिया अंधेरे में है। प्लांट कंट्रोल, इलेक्ट्रिकल और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर डटी हुई है। दूर तक धुआं दिखाई दे रहा है। अफरा-तफरी का आलम है। मिल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने का दावा किया जा रहा है। अधिकारिक रूप से इस बारे में प्रबंधन की ओर से कोई सूचना नहीं है। बीआरएम में रविवार को भी हुआ था हादसा बार एंड वायर रॉड मिल बीआरएम में रविवार को भी हादसा हुआ था। बार एंड रॉड मिल-बीआरएम में क्रेन नंबर 113 का मैग्नेट शिफ्ट रूम को ठोकर मारते हुए आगे बढ़ गया था। ठोकर इतनी तेज थी कि अंदर बैठे वर्कर दहशत में आ गए थे।

खैरागढ़ में दिखा घने जंगलों में पाया जाने वाला शिकारी बाज

खैरागढ़। जिले के जंगल हमेशा से अपनी जैव विविधताओ और सुंदरता को लेकर वन्य प्रेमियों को आकर्षित करते रहे हैं। मैकल पर्वत माला के आखरी छोर पर स्थित ये जंगल हमेशा वन्य प्रेमियों को चौकाते हैं, ताजा मामला ढारा खर्रा रिजर्व फॉरेस्ट का है, जहां चेंजेबल हॉक ईगल के सब एडल्ट पक्षी को रिकॉर्ड किया गया है। छत्तीसगढ़ के अचानकमार और कांगेर वैली नेशनल पार्क के अलावा ये शिकारी पक्षी अब तक केवल सघन जंगलों में ही दिखाई देते हैं, ऐसे में इनका खैरागढ़ क्षेत्र के जंगलो में दिखाई देना पक्षी प्रेमियों को रोमांचित कर रहा है। अविभाजित राजनांदगांव जिले में पहली बार इस पक्षी को रिकॉर्ड किया गया है। प्रतीक ठाकुर ने ज़िले में पहली बार इस पक्षी को अपने कैमरे में रिकॉर्ड किया है। प्रतीक बताते हैं कि यह पक्षी जन्म से मृत्यु तक कई बार अपने शरीर और रंग को बदलता है, इसलिए इसका नाम चेंजेबल हॉक ईगल पड़ा है। अपने मध्यम आकार और शिकारी कौशलता से ये शिकारी पक्षी आसानी से अपना पेट भर लेता है और घने जंगलों में शांति से बैठा रहता है।

बलरामपुर तातापानी महोत्सव का हुआ समापन

बलरामपुर। जिले के गर्म जल स्त्रोत तातापानी में तीन दिवसीय संक्रान्ति पर्व महोत्सव का समापन हो गया। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री और रामानुजगंज विधायक रामविचार नेताम और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की मौजूदगी में धूमधाम से महोत्सव संपन्न हुआ। महोत्सव में भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार दिनेश लाल निरहुआ और आम्रपाली दुबे ने अपनी गायकी से समां बांधा। ट्राइबल फैशन वॉक शॉ का भी आयोजन किया गया। 14 जनवरी से लेकर 16 जनवरी तक तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव मेला देखने के लिए छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य झारखंड बिहार और उत्तर प्रदेश से लाखों लोग पहुंचे। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। तातापानी महोत्सव के आखिरी दिन मंगलवार रात भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार और आजमगढ़ से बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ और भोजपुरी अदाकारा आम्रपाली दुबे भी तातापानी महोत्सव में शामिल होने के लिए पहुंची। दोनों कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल बना अखाड़ा

कोरबा। मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल में पार्किंग को लेकर चिकित्सकों और पार्किंग स्टैंड के ठेकेदार की महिला एजेंट के बीच जमकर विवाद हुआ। दोनों ओर से हाथ-मुक्के चले। मामला थाने में जा पहुंचा। इससे अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान की शांति भंग हो गई। बुधवार को इस मामले में एक पक्ष थाने जा पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में ले लिया है। कोरबा मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो मंगलवार शाम का है। अस्पताल के वाहन स्टैंड के कर्मचारी पार्किंग के एवज में पैसों की वसूली कर रहे थे। स्टैंड में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवादों में रहती है। इस घटना में वही महिला और अस्पताल के डॉक्टर झूमा-झटकी करते हुए दिख रहे हैं। विवाद किस बात को लेकर हुआ इसका पता नहीं है, यह जांच का विषय है। हालांकि यह पहली दफा है, जब चिकित्सकों से मारपीट की गई है। चिकित्सक भी खुद मारपीट में कूद पड़े।

आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान अरविंद एक्का शहीद

■ रायपुर में इलाज के दौरान तोड़ा दम

बीजापुर। नया साल आने से पहले नक्सलियों ने बीजापुर में कायराना हरकत की थी। जिसमें आईईडी ब्लास्ट की चपेट में एक पुलिस का जवान आ गया था।बीजापुर के गंगालूर के हिरोली-कांवड़गांव के बीच ये घटना हुई थी।जिसमें प्रधान आरक्षक अरविंद एक्का को गंभीर चोट लगी थी।अरविंद एक्का को ब्लास्ट के बाद तुरंत रायपुर रेफर किया गया था।जहां श्री नारायणा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान बुधवार को अरविंद एक्का ने दम तोड़ दिया।

हिरोली कैम्प से 03 किलोमीटर दूर पगडंडी मार्ग पर नक्सलियों ने प्रेशर आईईडी प्लांट किया था।सर्चिंग के दौरान जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो प्रधान आरक्षक अरविंद एक्का आईईडी के चपेट में आ गए।जिसके बाद अरविंद को 29 दिसंबर को

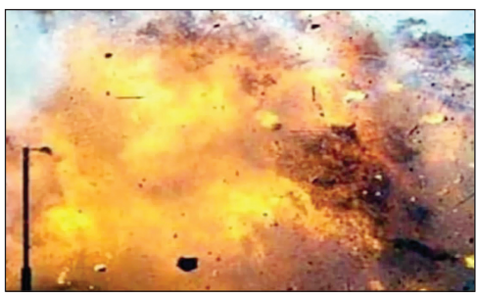

ही एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया था।जिनका इलाज श्री नारायणा हॉस्पिटल में चल रहा था।जहां बुधवार के दिन अरविंद एक्का शहीद हो गए। प्रधान आरक्षक अरविंद एक्का जशपुर का निवासी थे।

आपको बता दें कि बीजापुर में नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हुआ है। यहां एरिया डॉमिनेशन पर निकली पुलिस टीम पर माओवादियों ने हमला कर दिया। डीआरजी और कोबरा बटालियन की टीम यहां एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। उसी वक्त नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर बीजीएल से हमला कर दिया। सिक्योरिटी फोर्स की तरफ से जवाबी फायरिंग के बाद नक्सली मौके से फरार हो गए।

वहीं दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों की कार्रवाई में एक नक्सली मंगलवार को ढेर हुआ है। एडिशनल एसपी आरके बर्मन ने नक्सली के मारे जाने की जानकारी दी है। एएसपी के मुताबिक सिक्योरिटी फोर्स ने ये कार्रवाई की है। पुलिस पार्टी सर्चिंग के लिए पहुंची थी। तभी नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू की। लेकिन जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। बाद में नक्सली मोर्चा छोड़कर भाग गए। सर्चिंग के बाद मगनार के जंगलों से सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया है।

किसानों को लूटने वालों के खिलाफ सरकार सख्त

मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी जिलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। इसी कड़ी में मुंगेली प्रशासनिक अमले के द्वारा अवैध धान स्टॉक पर कार्रवाई किया गया है। अब तक केवल मुंगेली अनुविभाग के मुंगेली और जरहागांव तहसील में 12 कोचियों पर कार्रवाई करते हुए 777.80 क्विंटल धान जब्त किया गया है। ये कार्रवाई मंडी अधिनियम के तहत की जा रही है, जिसमें सामान्यत: मंडी शुल्क का 5 गुना का जुर्माना लगाया जाता है। अवैध धान भंडारण पर मंडी के अधिकारियों के द्वारा उक्त राशि की वसूली की जाती है।

छत्तीसगढ़ बन चुका है केंद्र शासित प्रदेश, ट्रेनों के लिए लड़ूंगी लड़ाई : ज्योत्सना महंत

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर । कोरबा से कांग्रेस सांसद ज्योत्सना महंत एक दिवसीय दौरे पर मनेंद्रगढ़ पहुंची।इस दौरान ज्योत्सना महंत ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। ज्योत्सना महंत ने इस दौरान लोकसभा टिकट को लेकर भी बयान दिया।ज्योत्सना महंत के मुताबिक जो भी ऊपर से आदेश मिलेगा उसी का पालन किया जाएगा। मैं कभी नेता बनीं नहीं। समाज सेवा के रूप में काम किया है। खड़गे जी भी जानते है और सोनिया जी भी जानते है। यदि मुझे इस योग्य समझेंगे और आदेश करेंगे तो मैं आगे भी लड़ूंगी।

हमारा दौरा हारे हुए जनप्रतिनिधियों का दर्द बांटने के लिए नहीं बल्कि उनका मनोबल बढ़ाने के लिए है। चुनाव में कोई जीतता है, तो कोई हारता है। हम सभी लोगों के पास जाकर उनसे मुलाकात कर रहे हैं।ताकि कार्यकर्ताओं का मनोबल कभी भी कम ना हो। ज्योत्सना महंत ने छत्तीसगढ़ में ट्रेनों की स्थिति को लेकर केंद्र को घेरा। महंत के मुताबिक कई बार रेलमंत्री को कोरबा से होकर गुजरने वाली ट्रेनों के बारे में बताया गया। हमेशा ट्रेनों की समस्या हल करने का आश्वासन मिला।लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। कोरबा लोकसभा में लदान के लिए तो ट्रेन बहुत चलती है लेकिन पैसेंजर को परेशानी दी जाती है।कहीं भी कभी भी ट्रेनों को खड़ा कर दिया जाता है। ज्योत्सना महंत ने कहा ट्रेनों के लिए मैं हमेशा लड़ती रही हूं और लड़ती रहूंगी। हो सकता है सफल भी हो जाऊं अभी छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कोरबा तक आने की बात मान ली गई है। कब से शुरू करेंगे पता नही है। ज्योत्सना महंत के मुताबिक जहां तक हमारी सरकार बनी थी। दो घंटे में कर्ज माफी हो गया था। सब लोग अपना-अपना प्रभार सम्भाल कर काम करने लगे थे। यह तो समझ मे अभी तक नहीं आ रहा कि सरकार बनी भी है केंद्र शासित प्रदेश हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

चरणदास महंत ने रेणुका सिंह पर कसा तंज

कोरिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरणदास महंत ने विधायक रेणुका सिंह के जीतने के बाद अपने क्षेत्र का दौरान नहीं करने को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने आई थी। आप लोगों ने बनाया नहीं। बड़ी मुश्किल से तो बेचारी जीत कर आई थी। देखो एक साल में कितनी बार आती है और 5 साल में कितनी बार। अभी तो 1 महीना ही हुआ है। बता दें कि, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधानसभा की विधायक रेणुका सिंह लगातार पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाई हुई है। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से लेकर अब तक विधायक रेणुका सिंह न क्षेत्र में आई हैं और न ही भाजपा के कार्यक्रमों में नजर आईं हैं।

आदेश के बाद भी छत्तीसगढ़ पुलिसकर्मियों को नहीं मिल रहा था साप्ताहिक अवकाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का निर्णय 2019 में लिया गया था। लेकिन इस आदेश का सही ढंग से पालन नहीं हो रहा था। अब पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने के लिए डीजीपी अशोक जुनेजा ने फिर से आदेश जारी करते हुए इसका कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। अब पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश निश्चित रूप से मिलेगा। बता दें कि कांग्रेस शासन काल में वर्ष 2019 में सरकार ने पुलिसकर्मियों की मांग को देखते हुए साप्ताहिक अवकाश देने का आदेश जारी कर दिया था। लेकिन इस आदेश के जारी होने के बाद कुछ जिलों में इसका सही तरीके से पालन हुआ था, अब बीजेपी की सरकार आने के प्रदेशभर के सभी पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का निर्णय लिया गया है। पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस के आलाधिकारियों की बैठक ली थी। जिसमें डीजीपी जुनेजा, एडीजी, आईजी सहित पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी शामिल हुए थे। इसमें विशेष तौर पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने की बात कही थी।

क्लस्टर प्रभारियों की हुई बैठक, प्रदेश से मूणत और अजय चंद्राकर हुए शामिल

रायपुर। इसी साल यानी 2024 में लोकसभा का चुनाव होने वाला है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी तैयारियों में जुट गई है। इस बीच नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव के लिए क्लस्टर प्रभारियों की बैठक बुलाई गई थी। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में छत्तीसगढ़ से राजेश मूणत और अजय चंद्राकर भी शामिल हुए। करीब 6 घंटे तक विभिन्न सत्रों में चली बैठक में केंद्रीय नेतृत्व की ओर से बताया गया कि इस माह के अंत तक पार्टी के शीर्ष नेता क्लस्टर में जाना शुरू करेंगे और सांगठनिक व रणनीतिक दृष्टि से पार्टी की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। वे क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली लोकसभा सीटों के संभावित प्रत्याशियों के बारे में भी सांगठनिक तंत्र से फीडबैक जुटाएंगे। इस बैठक को लेकर अजय चंद्राकर ने एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा कि, नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव के क्लस्टर प्रभारियों की महत्पूर्ण बैठक में शामिल हुआ। इस दौरान बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण के पिता का हुआ निधन, सीएम ने शोक व्यक्त किया

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के पिता कुमार लक्ष्मी नारायण देव का सुकमा में निधन हो गया है। किरण देव के पिता 104 वर्ष के थे। जिनका अंतिम संस्कार लुंबनी हाउस सुकमा में होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कुमार लक्ष्मी नारायण देव के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी परंपरा में जीवेम शरद: शतम की बात होती है। स्वर्गीय देव ने यशस्वी जीवन जिया। उन्होंने अपने सुदीर्घ जीवन में अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ ही सार्वजनिक जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया है।

मैं सांसद मंडावी को रामायणी सांसद कहूँगा, वे हीरो हैं : मुख्यमंत्री

51 हजार राम चरित मानस वितरण का वर्ल्ड रिकार्ड, गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज

रायपुर। अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी है यहां भगवान के ननिहाल छत्तीसगढ़ में भी इसके लिए उत्सव सा माहौल है। आज बालोद जिले के गुंडरदेही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को रामचरितमानस का वितरण भी किया। आज यहां तुलसी मानस प्रतिष्ठान द्वारा 3000 मानस ग्रंथों का वितरण किया। इसके पूर्व 48 हजार ग्रंथों का वितरण हो चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कांकेर सांसद श्री मोहन मंडावी ने इस संबंध में निश्चय किया था कि 51 हजार मानस प्रति बांटकर लोगों के समक्ष श्रीराम का आदर्श अधिकाधिक संख्या में प्रसारित करेंगे। आज गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स की टीम ने वितरण के पश्चात इसे गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया। गुंडरदेही में रामचरितमानस को पूरी प्रतिष्ठा के साथ लाल कपड़े में बांधकर श्रद्धालुओं को सौंपा गया। श्रद्धालुओं ने इसे सिर माथे लिया। लगभग 3000 लोगों ने मानस को सिर माथे रखकर श्रीराम के जयजयकार के नारे लगाये और पूरा माहौल राममय हो गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्रीराम की जयकार के साथ अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि मैं कांकेर सांसद श्री मोहन मंडावी को रामायणी सांसद कहूँगा। उन्हें हीरो कहूँगा, उन्होंने मानस वितरण को लेकर बहुत अच्छा काम किया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बालोद आया, आपकी आत्मीयता के लिए आपका स्वागत करता हूँ। आज यहां 173 करोड़ रुपए से

अधिक राशि का लोकार्पण भूमिपूजन किया। श्री मंडावी 2002 से मानस वितरण का कार्य कर रहे हैं। आज उन्होंने 3000 प्रतियां वितरित कर 51 हजार मानस वितरित करने का का पूरा कर लिया है। इससे पहले वे 48 हजार मानस वितरित कर चुके हैं। इसे गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मंडावी ने अपना ही नहीं, छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। उन्होंने 51 हजार परिवारों में मानस पहुंचाने का काम किया है। साथ ही हर घर तुलसी चौरा हो, इसके लिए भी उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया है। यह बहुत अच्छा काम है। राम चरित मानस के वितरण से बेहतर समाज के निर्माण की दिशा तय होती है। इस महती कार्य के लिए श्री मंडावी को बधाई देता हूँ। यह कार्य ऐसे शुभ समय में हो रहा है जब 22 तारीख को अयोध्या धाम में श्रीराम की प्राणप्रतिष्ठा होने वाली है। चारों ओर उत्सव का माहौल है। मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक मंदिरों में साफसफाई का काम हम लोग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ श्रीराम का ननिहाल है। हमने अयोध्या सुगंधित चावल भेजा है। हमारे डाक्टर भी अयोध्या गये हैं ताकि श्रद्धालुओं की सेवा कर सके। छत्तीसगढ़ में बहुत गहरी खुशी इस अवसर को लेकर है। हमारी सरकार मोदी की गारंटी को पूरा करने कृतसंकल्पित है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमने सरकार बनते ही अठारह लाख से अधिक आवास स्वीकृत किये। सरकार बनने के अगले दिन ही हमने यह कार्य कर दिया। दो साल का बोनस भी हमने किसानों को दिया है। पीएससी 2021 में आई शिकायतों की जांच भी सीबीआई करेगी। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान हम खरीद रहे हैं। 3100 रुपए प्रति क्विंटल हम धान खरीद रहे हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं की खाते में शीघ्र ही राशि अंतरित की जाएगी। हम सभी मानस मंडलियों को सम्मानित करने का काम भी कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने कार्यक्रम में कहा कि अयोध्या धाम में भव्य श्रीराम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। यह हम सबके लिए गौरव का दिन है। तुलसी मानस प्रतिष्ठान सांसद श्री मोहन मंडावी ने मानस वितरण का जो कार्य किया है। वो बहुत प्रशंसनीय है। मानस मंडलियों द्वारा श्रीराम के आदर्शों का जिस तरह प्रचार किया जा रहा है। वह प्रशंसनीय है। कांकेर सांसद श्री मोहन मंडावी ने इस अवसर पर कहा कि हमने 2002 से मानस वितरण आरंभ किया। मैं शिक्षक था और यह कार्य करता था। बाद में भी पद से इस्तीफा देने के बाद काम जारी रखा। मानस के श्लोकों के साथ उन्होंने श्रीराम के आदर्शों को जनता के समक्ष रखा।

उल्लेखनीय है कि सांसद श्री मंडावी ने यह निश्चय किया था कि श्री राम चरित मानस का अधिकतम प्रसार करेंगे ताकि श्रीराम के आदर्शों से लोग अधिकतम संख्या में प्रभावित हो सके। इसके बाद उन्होंने लगातार मानस का वितरण आरंभ किया। गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के अधिकारियों ने कहा कि मानस के माध्यम से लोगों की जिंदगी बदलने का बड़ा काम श्री मंडावी द्वारा किया गया है जिसका हमने परीक्षण किया है और इसे दर्ज किया है।

सीएम साय ने गुरुद्वारे में टेका मत्था, गुरुग्रंथ साहिब की परिक्रमा कर संकीर्तन में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को रायपुर के पण्डरी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु गोबिंद नगर पहुंचकर सिखों के 10वें गुरू और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए। उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेककर गुरुग्रंथ साहिब की परिक्रमा की, साथ ही संकीर्तन में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री साय ने सिख समाज सहित प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सिख समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को शॉल और कृपाण भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा, जनप्रतिनिधिगण समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने की नगर निगमों के कार्यों की समीक्षा

■ नगरीय प्रशासन विभाग की बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उप मुख्यमंत्री ने और नगरीय निकायों के अधिकारीयों को उनके क्षेत्रों में निर्माण और साफ-सफाई के कार्यों का गंभीरतापूर्वक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इस बैठक के दौरान नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ। बसवराजू एस, संयुक्त सचिव पी एस। ध्रुव, संचालक कुंदन कुमार और नगरीय निकायों के अधिकारी समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

बता दे कि, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में सभी नगर निगमों के आयुक्त को निर्माण कार्यों और साफ-सफाई का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्हें निगमों के कार्यों की मॉनिटरींग के लिए हफ्ते में तीन दिन जनप्रतिनिधियों और नगर निगम की टीम के साथ अलग-अलग वार्डों का

निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने साथ ही निरीक्षण की तस्वीरें भी साझा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने नगर निगमों के आयुक्त से कहा कि, ''निर्माण और साफ-सफाई के कार्यों का गंभीरतापूर्वक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान मैं खुद किसी दिन सुबह किसी भी नगर निगम में पहुंच सकता हूं''। उन्होंने सभी नगर निगमों में वार्डवार निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ से पहली ट्रेन सात फरवरी को दुर्ग से अयोध्या जाएगी

आज पूरी दुनिया राममय है, ननिहाल में भी उत्सव का माहौल : साय

रायपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व देशभर में घर-घर में श्रीराम भक्ति की अलख जागी है। इसी क्रम में एक दैनिक समाचार पत्र के नेतृत्व में 17 जनवरी को सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में श्रीरामोत्सव-सबके राम का आयोजन किया जा रहा है। दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रीरामोत्सव-सबके राम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम साय ने कहा कि आज पूरी दुनिया राममय है। भगवान राम का ननिहाल छत्तीसगढ़ में भी उत्सव का माहौल है। राम मंदिर के लिए हमारे पुरखों ने लड़ाई लड़ी और अपनी

बलिदानी दी। लंबे संघर्ष के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता प्रशस्त हुआ। 22 जनवरी को छत्तीसगढ़ के चावल से बने भात से भगवान राम को भोग लगाया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार रामलला दर्शन योजना चला रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के लोगों को अयोध्या ले जाया जाएगा। इस योजना के तहत पहली ट्रेन सात फरवरी को दुर्ग से जाएगी।

श्रीरामकिंकर विचार मिशन के स्वामी मैथिलीशरण महाराज जीवन प्रबंधन में श्रीराम पर व्याख्यान दिया। इसके बाद लोक कलाकार जोशी बहनें एवं कमलादेवी संगीत महाविद्यालय के कलाकार श्रीराम जन्मोत्सव पर सोहर और भजन गाकर श्रीरामोत्सव-सबके राम कार्यक्रम में समां बांध दिया।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विशिष्ट अतिथि धर्मस्व, संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार गिरीश पंकज, श्रीराम वनगमन शोध संस्थान के अध्यक्ष श्याम बैस, गोभक्त मोहम्मद फैज, छत्तीसगढ़ी रामायण के रचनाकार डा.अमरनाथ त्यागी, इतिहासकार सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा. रमेंद्रनाथ मिश्र सहित कई गणमान्य शामिल हुए।

सनातन धर्म में सेन समाज का महत्वपूर्ण स्थान : बृजमोहन

रायपुर। संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि किसी के सुख-दुख में साथ खड़े रहना एक सभ्य समाज की पहचान है। सेन समाज उन्ही में से एक है। सदियों से ये परंपरा का नि-स्वार्थ निर्वहन कर रहे हैं। सनातन धर्म में सेन समाज का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। ये बातें अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित सेन समाज के संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उनके द्वारा संत शिरोमणि सेन महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

अग्रवाल ने कहा कि सनातन धर्म में सेन समाज के बगैर कोई भी सामाजिक कार्य संभव नहीं होता है। बच्चों के जन्म से लेकर विवाह एवं मृत्यु संस्कार तक सेन समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में अनेक परिवारों को एक साथ लाने में, उनको निमंत्रण देने के लिए सेन समाज

के लोगों को ही भेजा जाता है और वे आज भी अपने दायित्वों का सेवा भाव निर्वहन कर रहे है। उन्होंने कहा कि जो समाज संगठित होता है उसे आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने सेन समाज से आह्वान किया कि समाज की भलाई के लिए एक ट्रस्ट बनाएं, जिसका उपयोग कल्याणकारी कार्यों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और सामाजिक कार्यों में किया जा सके। ऐसा करने से समाज आगे बढ़ेगा।

संस्कृति मंत्री ने सेन समाज से 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर पूरे देश में एक बार फिर से दिवाली जैसा उत्सव मनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री लक्ष्मी नारायण, भूपेंद्र शंकर, बल्लू शंकर, प्रहलाद गंगाराम, लुका कौशिक समेत प्रदेशभर से आए समाजिक बंधु मौजूद रहे।

श्रीरामलला पर आधारित आभूषण उत्सव का किया शुभारंभ

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में सराफा एसोसिएशन द्वारा आयोजित आभूषण उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला का प्राण-प्रतिष्ठा होने जा रहा है, जिसके उत्सव में आज पूरा देश राममय हो गया है, इसका एक नजारा यहां आयोजित आभूषण उत्सव में भी देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर सराफा ऐसोसिएशन द्वारा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया गया।

2 हजार करोड़ कर्ज लेने को लेकर पूर्व मंत्री अमरजीत ने भाजपा को घेरा

रायपुर। बीजेपी सरकार ने आरबीआई से 2 हज़ार करोड़ का कर्ज मांगा है। जिसको लेकर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने बीजेपी पर निशाना साधा है। अमरजीत भगत ने कहा, कांग्रेस को कब तक कोसोगे। यहां भी आपकी सरकार है और दिल्ली में भी आपकी सरकार है। दिल्ली से ले आइए पैसा, डबल इंजन की सरकार क्या काम आएगी।

आगे अमरजीत भगत ने कहा, उधारी में घी पीना है तो कोई भी उधारी लेकर घी पी लेगा। आपको कुछ करना है तो दिल्ली से स्पेशल पैकेज लेकर आइए। वहीं हर हफ्ते हो रही कैबिनेट की बैठक पर अमरजीत भगत ने तंज कसते हुए कहा, इनका एजेंडा दिल्ली और नागपुर से फाइनल होता है। ये अमलीजामा पहनाने के लिए औपचारिकता पूरी करते हैं। सरकार दिल्ली नागपुर की लक्ष्मण रेखा क्रॉस नहीं करती। उसकी गाइडलाइन को लांघने का अधिकार नहीं है।

छत्तीसगढ़ में रिकॉर्ड धान खरीदी को लेकर पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा, धान खरीदी की सभी तैयारियां समीक्षा हम कर चुके थे। किसानों का पंजीयन धान खरीदी का लक्ष्य और कस्टम मीनिंग तैयारी हो चुकी थी। सरकार को कुछ करना नहीं पड़ा। जानकर खुशी है, हमारे रिकॉर्ड को क्रॉस किया। ये किसान जगत के लिए प्रेरणादायी है। किसानों के पॉकेट में पैसा जा रहा है। सरकार से आग्रह है कि किसानों से 3100 प्रति एकड़ पर धान खरीदें।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में कांग्रेस के निमंत्रण ठुकराने को लेकर पूर्व मंत्री भगत का कहना है कि, हरि अनंत हरि कथा अनंता। भगवान की पूजा आराधना के लिए कोई कुछ कहे वैसे ही करना आवश्यक नहीं। राम सबके दिल में बसे हैं। कोई पहले जाएंगे कोई बाद में जाएंगे, जाएंगे सभी।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने आपातकालीन आईसीयू का किया उद्घाटन

रायपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तातापानी महोत्सव के समापन अवसर पर पहुंचे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल के पूरे परिसर में भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ओ.पी.डी पर्ची कांउटर, डायलिसिस यूनिट, सर्जीकल वार्ड, मेडिकल वार्ड एवं एसएनसीयू का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल के द्वारा आपातकालीन आईसीयू का उद्घाटन किया गया, इससे स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा।

इस दौरान सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, पूर्व सांसद श्री कमलमान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेना जमील, मंडल अध्यक्ष श्री आशीष सिंह (अंश), प्रदेश अध्यक्ष भाजयुमो एवं स्वास्थ्य विभाग से संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें सरगुजा संभाग डॉ. पी.एस. सिसोदिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.सी. बैनर्जी, सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वर शर्मा, आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध सिंह, अस्पताल प्रबंधक डॉ. राकेश थापा एवं अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, विधानसभा संभाग, रायपुर

क्रमांक-275/NIT-15/2023-2024/व.ले.लि. दिनांक 12/01/2024

प्रथम आमंत्रण

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 22/01/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि- 24/01/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त कराने की अंतिम तिथि- 01/02/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि- 02/02/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु. मे) साल्वेंसी राशि (रु.में)
1	2	3
15 T0104	माननीय मुख्यमंत्री निवास एवं माननीय मंत्रियों के शासकीय आवासों (02 आवासों) में साज-सज्जा का कार्य ।	19.95 14963.00 300000.00
15 T0105	माननीय उपमुख्यमंत्री निवास एवं माननीय मंत्रियों के शासकीय आवासों (04 आवासों) में साज-सज्जा का कार्य।	19.77 14828 300000.00
15 T0106	माननीय उपमुख्यमंत्री निवास एवं माननीय मंत्रियों के शासकीय आवासों (03 आवासों) में साज-सज्जा का कार्य।	19.92 14940.00 300000.00

// नियम व शर्तें //

1. ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी द से अ तक।
2. कार्य की अवधि T0104-02 माह T0105-02 माह एवं T0106-02 माह है।
3. निविदा प्रपत्र की कीमत 750/-, है।
4. हस्तगत कार्यों की सूची (Work in hand) की जानकारी एनेक्झर-II में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
5. वैध जी.एस.टी. नंबर / वैध बैंक साल्वेंसी / वैध पंजीयन प्रमाण पत्र/ ई.पी.एफ नंबर होना अनिवार्य है।
6. निविदा से संबंधित शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
7. उपरोक्त कार्य में छ.ग. शासन, लोक निर्माण विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर के ज्ञाप क्र. एफ-21-5/टी/ 19/2012/निविदा दिनांक 15.10.2020 में लागू विशेष शर्त लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जी- 07139/4 लो.नि.वि., विधानसभा संभाग, रायपुर (छत्तीसगढ़)

चाबहार परियोजना से पाक में कर दिया धुंआ-धुंआ

अभिनय आकाश

ईरान का चाबहार बंदरगाह इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है। चर्चा दो वजहों से हो रही है। पहली 15 जनवरी को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के ईरान दौरे की वजह से, ईरान में सड़क एवं शहरी विकास मंत्री मेहरदाद बज्रपाश से जयशंकर ने मुलाकात कर अपने दौरे की शुरुआत की। इस दौरान दोनों पक्षों ने दीर्घकालिक सहयोग ढांचा स्थापित करने पर, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर, विस्तृत और उत्पादक चर्चा की। इसके ठीक एक दिन बाद ही ईरान ने भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान पर आधी रात को एयर स्ट्राइक कर दिया। इस हमले के बाद चाबहार एक बार फिर चर्चा में आया। ईरान का कहना है कि पाकिस्तान का आतंकी संगठन जैश अल अदल उसके लिए खतरा बनता जा रहा था। जैश अल अदल ईरान के चाबहार में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। ईरान ने पाकिस्तान पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। ये हमला 16 जनवरी की रात बलूचिस्तान में हुआ। जैश अल अदल नामक आतंकी संगठन के दो ठिकानों को निशाना बनाया गया। ये गुट ईरान पर हमले के लिए कुख्यात रहा है। इसका बेस ईरान और पाकिस्तान के बॉर्डर पर बसे इलाकों में है। ईरान ने पहले भी कई दफा पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वो जैश अल अदल के खिलाफ कार्रवाई करे। पाकिस्तान नहीं माना। फिर भी ईरान उसकी सीमा में घुसकर हमला करने से बच रहा था। 16 जनवरी को उसने सीमा पार कर दी। इस पर पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि हमले में दो बच्चों की मौत हुई है जबकि तीन लड़कियां घायल हुई हैं। उसने हमले की कड़ी निंदा की है और कहा है कि ये हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है। इसका अंजाम बुरा होगा और इसकी जिम्मेदारी ईरान की होगी। चाबहार जहां भारत और ईरान के बीच एक बड़ी परियोजना चल रही है। ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है, इसी वदह से चाबहार बंदरगाह संपर्क और व्यापार रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है। भारत क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर जोर दे रहा है, खासकर अफगानिस्तान से इसके कॉन्टैक्ट के लिए। मजे की बात देखिए कि जब भारत के विदेश मंत्री ईरान गए थे तब भारत और ईरान के बीच चाबहार डैम परियोजना को लेकर ही बात हुई थी। भारत चाहता है कि इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए। लेकिन पाकिस्तान के आतंकी संगठन यहां अड़ंगा डाल रहे हैं। इसलिए ईरान ने अब इस आतंकी संगठन को ही तबाह कर दिया। चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। ओमान की खाड़ी में स्थित ये बंदरगाह ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को भारत के पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ता है। चाबहार बंदरहाग ईरान के दक्षिणी पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। इस बंदरगाह को ईरान द्वारा व्यापार मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम की तरफ मात्र 72 किलोमीटर की दूर पर है। अभी तक मात्र 2.5 मिलियन टन तक के समान ढोने की क्षमता वाले इस बंदरगाह को भारत,ईरान और अफगानिस्तान मिलकर इसे 80 मिलियन टन तक समान ढोने की क्षमता वाला बन्दरगाह विकसित करने की परियोजना बना रहे हैं। अफगानिस्तान के इलाके तक जमीन के रास्ते पहुंचना संभव नहीं है। यहां पहुंचने के लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का सहारान लेना पड़ता है या फिर ईरान के माध्यम से ही पहुंचा जा सकता है। कराची के रास्ते होने वाले निर्यात या फिर ईरान के बरास्ते होने वाले निर्यात की तुलना में चाबहार से अफगानिस्तान पहुंचना बेहद सस्ता होगा। जिसके पीछे की वजह इसका देश के एकदम करीब होना है। अमेरिका की तरफ से भारत को प्रतिबंधों के बावजूद चाबहार डील पर मंजूरी मिली थी क्योंकि ये अफगानिस्तान के पुर्ननिर्माण में बहुत मददगार था। यह बंदरगाह ईरान से ज्यादा अफगानिस्तान के लिए फायदेमंद था।

तुष्टिकरण पर कायम है कांग्रेस

डॉ. आशीष वशिष्ठ

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुन: निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर था।

स्वतंत्रता के बाद से वंदे मातरम राष्ट्रगान है। इसे लेकर कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे मुसलमानों के विरोध में बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मोहम्मद करीम छागला राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाये थे जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदू शब्द हटाने की बात कही गई थी, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मुस्लिम शब्द हटाने की बात नहीं थी। इसके विरोध में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बेनियाबाग मैदान में 1965 में सभा की थी। साल 1966 को गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे निहत्थों संतों पर इंदिरा गांधी सरकार ने गोलियां चलवाई थी। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता।

कांग्रेस सरकार द्वारा 1991 में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू किया गया। पूजा स्थल कानून कहता है कि पूजा स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 में थी वही रहेगी। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कानून कहता है अयोध्या राम जन्म भूमि मुकदमे के अलावा जो भी मुकदमे हैं वे समाप्त समझे जाएंगे। यह कानून अदालत के जरिये अपने धार्मिक स्थलों और तीर्थों को वापस पाने के अधिकार से वंचित करता है। कानून आक्रांताओं के गैर कानूनी कृत्यों को कानूनी मान्यता देता है। कानून हिंदू, बौद्ध, जैन और सिखों को अपने पूजा स्थलों और तीर्थों का वापस कब्जा पाने से वंचित करता है जबकि मुसलमानों को वक्फ कानून की धारा सात के तहत ऐसा अधिकार मिला हुआ है।

वर्ष 1992 में अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, इस कानून ने अल्पसंख्यक लोगों को बढ़ावा दिया और हिंदुओं को बांट दिया। भारत के अधिकांश मंदिरों पर सरकारों का नियंत्रण है। लेकिन, इसी देश में वक्फ एक्ट के तहत वक्फ बोर्ड को इतनी असीमित ताकतें दी गई हैं कि वो तमिलनाडु के तिरुचेंथुरई में स्थित एक 1500 साल पुराने मंदिर समेत पूरे गांव पर ही दावा ठोक सकता है। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे बड़ी मात्रा में जमीन है।

नवंबर 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के कुछ महीनों के अंदर ही दिवाली के मौके पर कांची कोटि पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती को हत्या के एक केस में गिरफ्तार करवाया गया। यूपीए सरकार के दौरान मालेगांव ब्लास्ट मामले में उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की साजिश रची गई थी। समझौता ब्लास्ट केस में पाकिस्तानी आतंकवादी पकड़ा गया था, उसने अपना गुनाह भी कबूल किया था, लेकिन महज 14 दिनों में उसे चुपचाप छोड़ दिया। इसके बाद इस केस में स्वामी असीमानंद को फंसाया गया।

साल 2006 में मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 16 मई, 2016 को तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही थी। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वकील कपिल सिब्बल ने तीन तलाक और हलाला जैसी घटिया परंपराओं की तुलना भगवान राम के अयोध्या में जन्म से कर डाली। 2016 में उत्तराखंड में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर शुक्रवार मुस्लिमों को 90 मिनट का अतिरिक्त अवकाश देने का निर्णय किया। कांग्रेस सरकार ने ही हज पर जाने वाले मुसलमानों को सब्सिडी देने की शुरुआत की थी। दुनिया में किसी और देश में यह नियम कानून नहीं था। कांग्रेस ने अमरनाथ यात्रा पर टैक्स लगाया।

जुलाई, 2009 को राहुल गांधी ने अमेरिकी राजदूत टिमोथी रोमर से कहा था, 'भारत विरोधी मुस्लिम आतंकवादियों और वामपंथी आतंकवादियों से बड़ा खतरा देश के हिन्दू हैं।' राहुल गांधी के बयान मंदिर जाने वाले छेड़खानी करते हैं, को भला कौन भूल सकता है। साल 2018 में तुगलक लेन स्थित अपने निवास पर राहुल गांधी ने लगभग दो घंटे तक मुस्लिमों नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान मुस्लिम नेताओं ने राहुल से आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि आप तो सिर्फ मंदिर जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने तो मुसलमानों को भुला ही दिया है। मुस्लिम नेताओं की बात सुनकर राहुल गांधी ने कहा कि मैं कर्नाटक में कई मस्जिदों में भी गया हूं। अब मस्जिदों में लगातार जा रहा हूं।

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अर्नगल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है। आम चुनाव सिर पर हैं। बड़ी सभांवना इस बात की है कि आने वाले दिनों में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस अपने मूल चरित्र का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

बह्वृचोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

वे (देवी) ही इन तीनों (जाग्रत, स्वप्न एवं सुषुप्ति) पुरों और इन तीनों प्रकार के (स्थूल, सूक्ष्म एवं कारण) शरीरों को विस्तीर्ण करके बाह्य एवं अन्त: में आलोक फैला रही हैं। वे महात्रिपुर सुन्दरी प्रत्यक् चेतना के रूप में देश, काल एवं पात्र के अन्दर संगरहित होकर निवास करती हैं।

वे (देवी) ही आत्मस्वरूपा हैं, उनके अतिरिक्त और सभी कुछ सत्यरहित, आत्मविहीन है। ये ब्रह्मविद्या रूपा हैं, भाव एवं अभाव आदि कला से विनिर्मुक्त चिन्मयीरूपा विद्या शक्ति हैं तथा वे ही अद्वितीय ब्रह्म का साक्षात्कार कराने वाली हैं। वे सच्चिदानन्दरूपी लहरों (तरंग) वाली श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी बाह्य एवं अन्त: में प्रविष्ट होकर स्वयमेव अकेली ही सुशोभित हो रही हैं। (उन देवी के अस्ति, भाति एवं प्रिय इन तीनों रूपों में) जो अस्ति है-वह सन्मात्र का बोध कराने वाला है, जो भाति है वह चिन्मात्र का बोध कराने वाला है तथा जो प्रिय (आत्मीय) है- वही आनन्दमय है। इस तरह से समस्त आकारों में श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी ही विद्यमान हैं। तुम और मैं, यह सारा जगत् एवं समस्त देवगण और अन्य सभी कुछ श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी ही हैं। ललिता नामक एक मात्र वस्तु (शक्ति) ही शाश्वत सत्य है। वही अद्वितीय, अखण्ड, अविनाशी परमात्म तत्त्व है। (उन देवी के) पाँचों रूप अर्थात् अस्ति, भाति, प्रिय, नाम तथा रूप के परित्याग कर देने से एवं अपने स्वरूप के त्याग न करने से अधिष्ठान स्वरूप जो एक सत्ता शेष रह जाती है, वही परम अविनाशी तत्त्व है। उसी परमात्म तत्त्व को प्रज्ञान ब्रह्म है या मैं ब्रह्म हूँ, वह तू है, यह आत्मा ब्रह्म है या मैं ही ब्रह्म हूँ या ब्रह्म ही मैं हूँ आदि वाक्यों से अभिव्यक्त किया जाता है। जो मैं हूँ, वह मैं हूँ, जो वह है, सो भी मैं हूँ इत्यादि श्रुति वचनों के द्वारा जिनका निरूपण होता है, वे ही यही षोडशी श्रीविद्या हैं। वही पञ्चदशाक्षर मंत्र से युक्त श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी, बाला, अम्बिका, बगला, मातङ्गी, स्वयंवर-कल्याणी, भुवनेश्वरी, चामुण्डा, चण्डा, वाराही, तिरस्करिणी, राजमातङ्गी, शुकश्यामला, लघुश्यामला, अश्वारूढ़ा, प्रत्यङ्गिरा, धूमावती, सावित्री, सरस्वती, गायत्री, ब्रह्मानन्दकला आदि नामों के द्वारा जानी जाती हैं। **क्रमश:...**

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आधार स्तंभ थे बाल आपटे

डॉ. राकेश मिश्रा

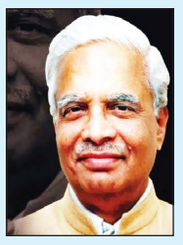

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन में रीढ़ की भूमिका निभाने वाले बलवंत परशुराम (बाल) आपटे का जन्म 18 जनवरी, 1939 को पुणे के पास क्रांतिवीर राजगुरु के जन्म से धन्य होने वाले राजगुरुनगर में हुआ था।

उनके पिता श्री परशुराम आपटे एक स्वाधीनता सेनानी तथा समाजसेवी थे। वहां पर ग्राम पंचायत, सहकारी बैंक आदि उनके प्रयास से ही प्रारम्भ हुए। यह गुण उनके पुत्र बलवंत में भी आये। बालपन से ही संघ के स्वयंसेवक रहे बलवंत आपटे प्रारम्भिक शिक्षा गांव में पूरी कर उच्च शिक्षा के लिए मुंबई आये और एल.एल.एम कर मुंबई के विधि महाविद्यालय में ही प्राध्यापक हो गये। 1960 के दशक में विद्यार्थी परिषद से जुड़ने के बाद लगभग 40 वर्ष तक उन्होंने यशवंतराव केलकर के साथ परिषद को दृढ़ संगठनात्मक और वैचारिक आधार दिया। विद्यार्थी परिषद ने न केवल अपने, अपितु संघ परिवार की कई बड़ी संस्थाओं तथा संगठनों के लिए भी कार्यकर्ता तैयार किये हैं। इसमें आपटे जी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

1974 में विद्यार्थी परिषद के रजत जयंती वर्ष में वे राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गये। इस समय महंगाई और भ्रष्टाचार के विरुद्ध देश में युवा शक्ति सड़कों पर उतर रही थी। इस आंदोलन को विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रव्यापी बनाया। जयप्रकाश नारायण द्वारा इस आंदोलन का नेतृत्व स्वीकार करने से यह आंदोलन और अधिक शक्तिशाली हो गया।

इससे बौखलाकर इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा दिया। आपटे जी भूमिगत होकर आंदोलन का संचालन करने लगे। दिसम्बर 1975 में वे पकड़े गये और मीसा नामक काले कानून के अन्तर्गत जेल में ठूंस दिये गये, जहां से फिर 1977 में चुनाव की घोषणा के बाद ही वे बाहर आये। जेल जीवन के कारण उनकी नौकरी छूट गयी। अत: वे वकालत करने लगे। अगले 20 साल तक वे गृहस्थ जीवन, वकालत और विद्यार्थी परिषद के काम में संतुलन बनाकर चलते रहे। उन्होंने संगठन के बारे में केवल भाषण नहीं दिये। वे इसके जीवंत स्वरूप थे।

उनकी एकमात्र पुत्री चिकित्सा शास्त्र की पढ़ाई पूरी कर दो वर्ष विद्यार्थी परिषद की पूर्णकालिक रही। फिर उसका अन्तरजातीय विवाह परिषद के एक कार्यकर्ता से ही हुआ। इस प्रकार विचार, व्यवहार और परिवार, तीनों स्तर पर वे संगठन से एक रूप हुए।

1996 से 98 तक वे महाराष्ट्र शासन के अतिरिक्त महाधिवक्ता रहे। जब उन्हें भाजपा में जिम्मेदारी देकर राज्यसभा में भेजने की चर्चा चली, तो उन्होंने पहले संघ के वरिष्ठजनों से बात करने को कहा। इसके बाद वे आठ वर्ष तक भाजपा के उपाध्यक्ष, संसदीय बोर्ड के सदस्य तथा 12 वर्ष तक महाराष्ट्र से राज्यसभा के सदस्य रहे।

मिलिंद देवड़ा का जाना कांग्रेस के लिए संदेश

जगदीश रत्नानी

कुछ दिन पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने पर राजनीतिक चर्चाओं का दौर चल रहा है। वह शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल हुए हैं। इस गुट के नेता एकनाथ शिंदे हैं, जो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली मूल पार्टी से अलग होकर भाजपा के साथ मिल कर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। देवरा का जाना कोई उल्लेखनीय घटना नहीं है और शायद उन्होंने यह निर्णय किसी पार्टी से दक्षिण मुंबई की लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के इरादे से लिया है। इस सीट से उनके दिवंगत पिता मुरली देवरा सांसद हुआ करते थे। उनकी मृत्यु के बाद मिलिंद देवरा ने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, पर बाद में वह दो बार उद्धव ठाकरे की शिवसेना से हारे। यदि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना का कांग्रेस से गठबंधन होता है, तो इस सीट पर उद्धव दावा कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में देवरा को कुछ नहीं मिलता। ऐसे में उनके पार्टी छोड़ने के फैसले को समझा जा सकता है। एक स्तर पर यह अस्तित्व से जुड़ा हुआ है तथा राजनीतिक रूप से प्रासंगिकता बनाये रखने की कवायद है, ताकि पारिवारिक विरासत को बचाया जा सके। इसलिए देवरा के निर्णय को गलत नहीं माना जाना चाहिए और न ही उन्हें इसका श्रेय देना चाहिए।

पार्टी छोड़ने के बाद कांग्रेस के कारोबार विरोधी होने के उनके आरोप को भी समझा जा सकता है। शायद इससे उन्हें और शिंदे गुट को कुछ बड़े कारोबारियों का सहयोग मिल सकता है, लेकिन वर्तमान संदर्भ में यह कह पाना मुश्किल है कि इससे उन्हें वोटों का कितना फायदा होगा। देवरा भी उद्योगपति-व्यवसायी हैं और कुछ बड़े कारोबारी परिवारों के करीबी भी हैं। अतीत में पिता और पुत्र कांग्रेस के लिए धन जुटाने के लिए जाने जाते रहे हैं।

मुरली देवरा द्वारा मंच पर लाये गये हीरा व्यापारी पंक्तिबद्ध होकर पार्टी को अच्छा-खासा दान दिया करते थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ फोटो खिंचवाते थे। जब मनमोहन सिंह सरकार में मुरली देवरा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हुआ करते थे, तब रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी से उनकी निकटता को लेकर 'हितों के टकराव' का मुद्दा उठा था। इस मुद्दे को मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी ने ही उठाया था, पर कांग्रेस और मनमोहन सिंह ने इस गंभीर मसले पर कोई ध्यान नहीं दिया। मुकेश अंबानी और उदय कोटक ने अलग-अलग 2019 में मिलिंद देवरा की उम्मीदवारी को समर्थन दिया था, पर वह जीत नहीं पाये। हालांकि ऐसे समर्थन से वोटों में वृद्धि होने की अपेक्षा नहीं थी, पर यह इसलिए अजीब था कि आम तौर पर पर्दे के पीछे से राजनीति में दिलचस्पी लेने वाले कारोबारी खुले तौर पर मिलिंद देवरा का समर्थन करने के लिए इच्छुक दिखे। यह तब हुआ था, जब वह कांग्रेस में थे तथा केंद्र एवं राज्य में भाजपा सत्ता में थी और उससे सबसे अधिक दान भी मिलता था।

यह कहना बेमतलब है कि देवरा द्वारा 15 जनवरी को पार्टी छोड़ना उसी दिन मणिपुर से शुरू हुई राहुल गांधी की यात्रा के प्रभाव को कम करने की कवायद थी, लेकिन इस इस्तीफे में कांग्रेस के लिए एक बड़ा संदेश जरूर है और यह ऐसा संदेश है, जिससे पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पार्टी अपने पुनर्निर्माण तथा चुनाव से पहले हो रही राहुल गांधी की यात्रा के उद्देश्यों- एकता एवं न्याय- से लोगों को जोड़ने के लिए भरोसेमंद लोगों को चुन सकती है। किसी भी राजनीतिक दल, खास कर लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस, के लिए यह बात लागू होती है कि इसमें कई तरह के कार्यकर्ता शामिल होते रहते हैं और समय के साथ नेतृत्व करने की भूमिका में आ जाते हैं। भाजपा के साथ भी ऐसा ही है। ऐसे लोगों में कुछ अवसरवादी, कुछ हां में हां मिलाने वाले तथा कुछ बिना वैचारिक प्रतिबद्धता के लोग होंगे। ये धनी हो सकते हैं और इनके अच्छे संपर्क हो सकते हैं तथा इनका उपयोग कर ये पार्टी में आगे जाने की कोशिश कर सकते हैं, ताकि सत्ता का लाभ अपने हितों के लिए उठा सकें। सत्ता और धन जुटाने की क्षमता के अभाव में ऐसे खिलाड़ी असहज हो जाते हैं और पार्टी से अलग हो जाते हैं। हाल के समय में कांग्रेस के साथ ऐसा ही कुछ हुआ है। इससे कुछ मामलों में पार्टी की कमजोरी इंगित होती है, तो कुछ मामलों में मजबूती। कमजोरी है कि पार्टी ऐसे लोगों को संगठन में बनाये रखती है और उन्हें महत्वपूर्ण पद भी देती है, जिसका इस्तेमाल वह लोग अपना दायरा और असर बढ़ाने के लिए करते हैं। ऐसे कुछ दरबारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से कांग्रेस हिचकती रही है। इसके अनेक जटिल कारण हैं, जिनमें एक यह है कि पार्टी की छवि भ्रष्ट पार्टी की बन गयी तथा अब वह सत्ता में नहीं है और न ही उसके पास प्रभावित कर पाने की क्षमता है।

जब कांग्रेस दमदार स्थिति में थी, तब भी अवांछित तत्वों को किनारे लगाने में वह ढीली थी। इस मामले में भाजपा बहुत तेज और स्पष्ट है- आप पार्टी के लिए काम करते हैं, पार्टी आपके लिए नहीं काम करती। कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि भाजपा में आप एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं। यह आलोचना अपनी जगह सही हो सकती है, लेकिन नये और ऊर्जावान चेहरों को आगे लाने की भाजपा की कोशिश को यूं ही खारिज नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस को समझना चाहिए कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र के लिए सुनना अहम है, पर मांगों और धमकियों के दबाव में नहीं आना चाहिए। मसलन, कहा जा रहा है कि देवरा ने जयराम रमेश के माध्यम से कांग्रेस से 2024 के चुनाव में टिकट खोने को लेकर संपर्क साधा था। वह राहुल गांधी से मिलना चाहते थे, लेकिन अगर कांग्रेस और विपक्ष के हित में यह है कि देवरा को टिकट न देकर उस सीट से दो बार जीतने वाले ठाकरे की शिवसेना के सांसद को खड़ा किया जाए, तो क्या किया जाना चाहिए? उत्तर स्पष्ट है कि देवरा को पार्टी के लिए काम करना चाहिए, जहां उनकी क्षमता का आकलन होगा और उस आधार पर टिकट का निर्णय होगा। यह स्पष्ट संदेश सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जाना चाहिए। यदि सभी कार्यकर्ता यह जानेंगे और समझेंगे कि उनके सामने एक राष्ट्रीय स्तर का काम है, जो उनके अपने टिकट के लिए लड़ने से कहीं बहुत बड़ा है।

आज का इतिहास

1951 नीदरलैंड में झूठ पकड़ने वाली मशीन का पहली बार इस्तेमाल हुआ।
1955 उर्दू के मशहूर लेखक और कवि सदात हसन मंटो का निधन हुआ।
1958 बोस्टन कनाडा के अफ्रीकी कनाडाई विली ओ%री ने नेशनल हॉकी लीग में अपना पहला खेल खेला, जो पेशेवर आइस हॉकी में रंग बाधा को तोड़ता है।
1964 न्यूयॉर्क सिटी में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का निर्माण करने की योजना की घोषणा की गई।
1967 जेरेमी थोरप ब्रिटेन के लिबरल पार्टी के नेता बने।
1983 उनकी मृत्यु के तीस साल बाद, अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिकमित्रि ने अमेरिकी एथलीट जिम थोरपे को स्वर्ण पदक दिलाया, जिन्होंने 1912 के ऑस्कर ओलंपिक से पहले अर्ध-पेशेवर बेसबॉल खेलने के लिए उन्हें हशद किया था।
1990 एफबीआई द्वारा किए गए एक स्टिंग ऑपरेशन में, वाशिंगटन के मेयर, डी.सी., मैरियन बैरी को क्रैक कोकीन के कब्जे के लिए गिरफ्तार किया गया था।
1995 याहू डॉट कॉम का डोमेन बनाया गया।
1998 1998 में 55 वां गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स मनाया गया।
2005 दुनिया का सबसे बड़ा वाणिज्यिक जेट, एयरबस ए 380, फ्रांस में अनावरण किया गया।
2006 संयुक्त राज्य अमेरिका में इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगायी।
2007 विश्व की सबसे वृद्ध महिला जूली विनफ्रेड बर्टरंड का कनाडा में निधन हुआ।
2010 चीन ने देश के दो सबसे बड़े ऑपरेटरों और या भद्दे संदेशों से ग्राहकों को अवरुद्ध करके पाठ संदेश की निगरानी शुरू की।
2011 अमेरिकी संघीय संचार आयोग ने कॉमकास्ट और एनबीसी यूनिवर्सल के बीच .28 बिलियन विलय को मंजूरी दी।
2011 जो लेबरमैन एक स्वतंत्र अमेरिकी सीनेटर ने घोषणा की कि वह 2012 में कनेक्टिकट से फिर से चुनाव नहीं करेंगे।
2012 फ्रेंकोस्को सेटिंग सनकेन क्रूज़ के कप्तान नेवीगेशनल त्रुटियों को स्वीकार करते हैं जो कोस्टा कॉनकॉर्डिया द्वारा कैपेसिट करने के कारण होता है
2012 एक शौकिया खगोलविद इंग्लैंड के पीटरबरो में समझाया गया एक नया नेपच्यून आकार का पता लगाता है।

मायावती ने आकाश को दिया बड़ा सियासी मैदान

आशीष तिवारी

मायावती ने लोकसभा चुनावों से पहले अकेले ही सियासी मैदान में उतरने का आखिरकार अधिकारिक एलान कर दिया। मायावती के इस एलान के बाद समाजवादी पार्टी से लेकर भाजपा के रणनीतिकार अपने-अपने नजरिए से सियासी आंकलन कर रहे हैं। हालांकि जानकारों का मानना है कि मायावती के अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी को लोकसभा में सीटों का कितना फायदा होगा यह तो परिणाम बताएंगे। लेकिन अपने वोट बैंक के लिहाज से मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने एलान कर खिसकता हुआ जनाधार बढ़ाने का बड़ा प्रयास किया है। इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि मायावती ने आकाश आनंद के लिए इस चुनाव में पहली बार खुले तौर पर बगैर किसी दबाव के रणनीति बनाने और उसे अमली जामा पहनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ने का बड़ा सियासी मैदान दिया है।

मायावती के लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में उतरने के बाद बसपा के नेता भी मानते हैं कि मायावती का यह दांव सियासी तौर पर फायदेमंद हो सकता है। तर्क देते हुए बसपा के पूर्व जोनल कोऑर्डिनेटर हुसैन सिद्दीकी कहते हैं कि बसपा के लोकसभा का चुनाव अकेले लड़ने के पार्टी को कई फायदे नजर आ रहे हैं। वह कहते हैं कि इसमें पहला फायदा तो यही है कि पार्टी अपने पूर्व अनुभवों के लिहाज से मानकर चल रही है कि उसका वोट प्रतिशत कम नहीं होगा। दूसरी और महत्वपूर्ण फायदा बसपा को यह है कि मायावती ने अपने वोटरों को एक संदेश दिया है कि उनके वोट बैंक में कोई दूसरा हिस्सेदारी नहीं ले सकता है। सिद्दीकी कहते हैं अगर वोट प्रतिशत कम नहीं होता है, तो निश्चित तौर पर उनकी सीटें भी कहीं कम नहीं होने वालीं। उनका तर्क है कि भाजपा की प्रचंड लहर में भी भले ही उनकी सीटें कम हों, लेकिन वोट प्रतिशत में कोई सेंधमारी नहीं हो सकी। इसलिए बरकरार वोट प्रतिशत के साथ अकेले सियासी मैदान में उतरना पार्टी के लिए फायदे का सौदा होगा।

स्ट्रेटजी फॉर पॉलिटिक्स एंड इनिशिएटिव के निदेशक केवी दास कहते हैं कि बसपा सुप्रीमो मायावती शुरुआत से ही लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में उतरने की बात करती आई थीं। अब उन्होंने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा भी कर दी है। दास कहते हैं कि मायावती की हाल

में हुई दो बैठकों में दो महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, जो कि बहुजन समाज पार्टी की भविष्य की सियासत के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा सकते हैं। पहला फैसला तब लिया गया जब मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर बहुजन समाज पार्टी में बड़ी सियासी हलचल पैदा की। दूसरा फैसला मायावती ने आधिकारिक तौर पर अपने जन्मदिन वाले दिन अकेले चुनाव लड़ने का करके किया है। उनका कहना है कि जब आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया गया, तभी इस बात का अनुमान लगाया जाने लगा था कि लोकसभा चुनाव में वह आकाश आनंद के लिए बड़ा सियासी मैदान छोड़ेंगी। अब जब मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है, तो यह माना जा रहा है कि उन्होंने आकाश आनंद पर बगैर किसी दबाव के राजनीति करने और अपनी पार्टी को आगे बढ़ने का खुला सियासी मैदान दिया है।

राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार बृजेंद्र शुक्ला कहते हैं कि यह बात बिल्कुल सच है कि गठबंधन में रहकर आकाश आनंद के लिए अपनी रणनीतियों को आगे बढ़ाने की उतनी खुली आजादी नहीं मिल पाती। अब अकेले चुनाव लड़ने में मायावती सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही सभी सीटों पर अगर विधानसभा का चुनाव लड़ती हैं, तो अपनी रणनीति के लिहाज से आकाश आनंद की योजनाओं और भविष्य की स्ट्रैटेजी के तौर पर वह कई प्रयोग कर सकती हैं। शुक्ल कहते हैं कि आकाश आनंद ने इस दौर में सोशल मीडिया और अन्य कई योजनाओं के साथ सियासी मैदान में अपनी रणनीतियों को आगे बढ़ाना भी शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला उसे दौर में किया है, जब सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा को हराने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं बहुजन समाज पार्टी के नेताओं का मानना है कि उनकी पार्टी जब-जब अकेले लोकसभा का चुनाव लड़ती है, तब-तब उन्हें हमेशा फायदा होता है। हालांकि 2019 के चुनाव में जरूर समाजवादी पार्टी और लोकदल के साथ चुनाव लड़कर बहुजन समाज पार्टी को बड़ा फायदा हुआ। लेकिन अन्य लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को अकेले लड़ने पर ही बड़ा फायदा हुआ है। बहुजन समाज पार्टी के नेता आरए विश्वकर्मा कहते हैं कि 2014 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन पार्टी का वोट प्रतिशत 19.71 फ़ीसदी के करीब रहा था। जबकि 2019 में समाजवादी पार्टी के साथ हुए समझौते में 36 सीटों पर चुनाव लड़कर 10 सीटें तो जीतीं, लेकिन वोट प्रतिशत 19.36 फीसदी ही रहा। विश्वकर्मा कहते हैं कि यह वोट प्रतिशत इस बात की तस्दीक करता है कि बसपा अगर अकेले चुनाव लड़ती है, तो उसमें उसे ज्यादा फायदा होता है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अपने जन्मदिन पर इस बात का जिक्र किया जब-जब वह अकेले सियासी मैदान में उतरती है, तो उन्हें हमेशा फायदा होता है। मायावती ने 1993 से लेकर 2007 तक की राजनीति का पूरा जिक्र कर अपनी रणनीति को स्पष्ट किया। 1993 में विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ और 1996 में कांग्रेस के साथ चुनाव लड़कर मायावती को तीन अंकों में विधायक नहीं हासिल हो सके। जबकि 2002 में अकेले चुनाव लड़ने पर बहुजन समाज पार्टी को 100 सीटें मिलीं और 2007 में बहुजन समाज पार्टी ने अकेले ही चुनाव लड़कर उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। राजनीतिक विश्लेषक वीके दास कहते हैं कि मायावती अगर इन सभी गणनाओं के आधार पर अकेले चुनाव में जाती हैं, तो यह उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने वाला फैसला माना जा सकता है। दास का मानना है कि उस दौर में जब सभी विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मिलकर एकजुट हुए हैं, उसमें बहुजन समाज पार्टी जैसी बड़ी पार्टी का ना होना भी महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका तर्क है कि बसपा जब शून्य पर पहुंची तब भी तकरीबन बीस फीसदी वोटों के साथ और जब वह 10 सीटें लेकर आईं तब भी बीस फीसदी वोट बैंक, तो उसके हिस्से रहते ही हैं।

शिंदे की पार्टी में आने का मिलिंद देवड़ा ने क्यों किया फैसला?

रेनू तिवारी

जैसे ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने रविवार (14 जनवरी) को कांग्रेस को अलविदा कहा, लंबे समय से कांग्रेस नेता के बारे में विवरण सामने आ रहे हैं कि वह एक ऐसी पार्टी की तलाश कर रहे हैं, जिसे उनके कौशल की जरूरत है। जब भी राहुल गांधी खेमे का कोई पूर्व नेता कांग्रेस छोड़ता है तो टीम राहुल की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो जाती है। उस पुरानी फोटो में मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद और सचिन पायलट के साथ नजर आ रहे हैं। सचिन पायलट को छोड़कर टीम राहुल के सभी नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। दूसरों के विपरीत, देवड़ा एक टीम राहुल नेता हैं जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल नहीं हुए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद सभी भाजपा में शामिल हो गए। कई दिनों से चर्चा थी कि देवड़ा पार्टी छोड़ देंगे। रविवार को वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए। ऐसा कहा जा रहा है कि शिंदे के नेतृत्व वाली सेना महाराष्ट्र की एकमात्र पार्टी है जो भारत के व्यापारिक समुदाय के भीतर अच्छे संबंधों वाले अंग्रेजी बोलने वाले मिलिंद देवड़ा के कौशल का उपयोग कर सकती है। मुकेश अंबानी द्वारा 2019 में मिलिंद देवड़ा के अभियान का समर्थन करना देवड़ा परिवार के उद्योगपतियों के साथ संबंधों का प्रमाण था। यही वजह है कि शिव सेना में शामिल होने के ठीक दो दिन बाद मिलिंद देवड़ा वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एकनाथ शिंदे का समर्थन करते नजर आएंगे। उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मिलिंद देवड़ा अपने निजी खर्च पर दावोस में हैं और उनके दिवंगत पिता मुरली देवड़ा के कारण विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। इससे पता चलता है कि शिंदे की शिवसेना को एक ऐसे नेता की जरूरत थी जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पार्टी का प्रतिनिधित्व कर सके। ऐसा कहा जाता है कि देवड़ा ने शिंदे के बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे के साथ एक मजबूत रिश्ता विकसित किया है और पार्टी आगामी चुनावों में मिलिंद देवड़ा को राज्यसभा के लिए नामित करेगी। देवड़ा संसद में वापस जाने के इच्छुक हैं और यही कारण है कि उन्होंने पार्टियां बदल लीं। मिलिंद देवड़ा ने 2004 और 2009 में दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट जीती। 2014 और 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2019 में, उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अचानक मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस में रहते हुए देवड़ा के लिए चुनौती यह थी कि दक्षिण मुंबई सीट पर लोकसभा सांसद अरविंद सावंत का कब्जा बना रहा, जो शिवसेना के विभाजन के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के साथ बने रहे। ऐसा लग रहा था कि इंडिया गठबंधन की सीट उद्धव की शिवसेना को मिलेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पिछले शुक्रवार को देवड़ा ने उनसे राहुल गांधी को समझाने का अनुरोध किया था कि दक्षिण मुंबई निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस के पास रहना चाहिए। देवड़ा से कहा गया कि वे इस बारे में राहुल गांधी को समझाएं। मिलिंद देवड़ा ने पहली बार 2004 में दक्षिण मुंबई निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा था। इससे पहले, उनके पिता मुरली देवड़ा ने लंबे समय तक इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। मिलिंद देवड़ा 2004 में भारत के सबसे युवा सांसदों में से एक थे। सांसद रहते हुए देवड़ा ने कई संसदीय समितियों में भी कार्य किया। उन्होंने रक्षा, नागरिक उड्डयन, योजना, शहरी विकास और सूचना और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

हरियाणा कांग्रेस में भी है सिर फुटव्वल अलग रास्ते पर एसआरके ग्रुप

अंकित सिंह

देश में इस साल आम चुनाव होने है। आम चुनाव के इतर कुछ राज्यों में विधानसभा के भी चुनाव होंगे। इनमें हरियाणा भी शामिल है जहां सितंबर-अक्टूबर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। हालांकि, हरियाणा में कांग्रेस के भीतर स्थितियां अनुकूल दिखाई नहीं दे रही हैं। हरियाणा में भी पार्टी दो गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है। कहीं ना कहीं हरियाणा कांग्रेस के भीतर भी चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही है। राहुल गांधी की भारत न्याय जोड़ो यात्रा के शुभारंभ के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले दीपेंद्र हुड्डा सीधे अयोध्या पहुंचे थे। इसके बाद वह हरियाणा में घर-घर कांग्रेस अभियान के शुभारंभ में शामिल हुए।

हालांकि इस दौरान जो तस्वीर सामने आई उससे साफ तौर पर यह जाहिर होता दिखाई दिया की पार्टी के भीतर कहीं ना कहीं सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। मंगलवार को, जबकि हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने बेटे दीपेंद्र के साथ, हुड्डा के गढ़ रोहतक से घर-घर अभियान शुरू किया, तो वहीं कुमारी शैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी (एसआरके समूह) के एक प्रतिद्वंद्वी समूह ने 17 जनवरी को हिसार से शुरू होने वाली और हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों को कवर करने के बाद फरवरी में अंबाला में समाप्त होने वाली जन संदेश यात्रा की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए कि यात्रा कांग्रेस को मजबूत करेगी, शैलजा ने कहा-इस यात्रा के माध्यम से, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दृष्टिकोण को पूरे हरियाणा के सभी घरों तक पहुंचाएंगे... कांग्रेस भाजपा की जनविरोधी नीतियों को भी उजागर करेगी। इन तीनों ने लगभग एक महीने तक चलने वाली यात्रा के लिए एक संशोधित बस शुरू की है और प्रचार सामग्री भी जारी की है, जिसमें खड़गे, राहुल, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी भी शामिल हैं। पोस्टर में किरण चौधरी की बेटी श्रुति भी शामिल हैं, जबकि हुड्डा और भान देखने को नहीं मिलते हैं। पिछले हफ्ते, सुरजेवाला, शैलजा और चौधरी चंडीगढ़ में हरियाणा के कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया द्वारा बुलाई गई बैठक से भी अनुपस्थित थे। हरियाणा में कांग्रेस के तीन कार्यकारी अध्यक्ष, राम किशन गुज्जर, सुरेश गुप्ता और श्रुति चौधरी भी मौजूद नहीं थे। हालाँकि, राम किशन की पत्नी शैली चौधरी वहाँ थीं। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है। एसआरके समूह ने पहले भी बाबरिया, भान या हुड्डा की अध्यक्षता वाली पार्टी बैठकों का बहिष्कार किया है। मंगलवार को समूह की यात्रा के बारे में पूछे जाने पर बाबरिया ने कहा कि घर-घर अभियान पार्टी का आधिकारिक अभियान था। बाद में दिन में एक आधिकारिक प्रेस बयान में, बाबरिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया से किसी भी अन्य कार्यक्रम से दूरी बनाए रखने का आग्रह किया, ताकि किसी भी प्रकार का कोई भ्रम या गलतफहमी न हो। बाबरिया ने कहा कि पार्टी लाइन के खिलाफ या पदानुक्रम को तोड़कर किया गया कोई भी कार्य अनुशासनहीनता माना जाएगा और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं का साफ तौर पर मानना है कि दोनों गुटों के बीच जारी दरार से पार्टी को नुकसान हो रहा है।

इतिहास के जुल्म और अत्याचार से हिंदुओं को मिला न्याय

निरंजन मार्जनी

22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कई मायनों में एक नई शुरुआत है। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विपक्ष की पार्टियों की ओर से भाजपा पर लगातार हमले हो रहें हैं। विपक्ष भाजपा पर मंदिर पर राजनीति करने का, अर्थात राजनीति में धर्म को लाने पर आलोचना कर रहा है। विपक्ष अपनी आलोचना से इस मुद्दे को एकतरफ़ा पेश करने की कोशिश कर रहा है। विरोधी पार्टियां तर्क दे रही हैं कि धर्मनिरपेक्ष देश में सरकार का इस तरह के समारोह में शामिल होना एक तरह से हिंदुत्व को बढ़ावा देना है जो संविधान के ख़िलाफ़ जाता है और अल्पसंख्यकों की भावनाओं को ध्यान में नहीं लेता। लेकिन विपक्ष की नाराज़गी की वजह सिर्फ संविधान की काल्पनिक ख़िलाफ़त नहीं है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कई पहलू हैं जिन पर गौर करना ज़रूरी है। इन पहलुओं से विपक्ष की नाराज़गी की असली वजह भी सामने आती है।

सबसे पहले, अयोध्या में प्रभु श्री राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण होने से इतिहास में हुए जुल्म और अत्याचार के लिए हिन्दुओं को पांच सौ साल बाद न्याय मिला है। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक ग़लती का सुधार नहीं है बल्कि लगातार एक हज़ार वर्षों से हो रहे विदेशी आक्रमणों के दर्द से बाहर निकलना भी है। इसके साथ ही यह राम मंदिर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अभिमान का प्रतीक है। भारत को आज़ादी मिलने के बाद भी ग़ुलामी की मानसिकता से बाहर आने में देश के लोगों को काफ़ी वक़्त लगा है। देश को अंग्रेज़ों से 1947 में आज़ादी मिलने का मतलब यह नहीं है कि भारत उसी वर्ष अस्तित्व में आया। सीधे तौर पर इस बात को कहे बिना विपक्ष का रुख़ इस प्रकार रहा है जो अप्रत्यक्ष रूप से हज़ारों साल पुरानी भारत की संस्कृति को नकारता आया है। लेकिन अब देश की ज़्यादातर जनता न सिर्फ अपने भारतीय होने पर गर्व करती है बल्कि भारतीय संस्कृति से भी ज़्यादा से ज़्यादा जुड़ रही है।

दूसरा, विपक्ष इस मंदिर के निर्माण को एक विभाजनकारी कदम के तौर पर पेश कर रहा है जो हिंदुत्व के नाम पर हिन्दू धर्म के अंतर्गत आने वाली जाती, जनजाति और उपजाति को ध्यान में नहीं लेता। लेकिन अयोध्या में निर्माण हो रहे राम मंदिर को देखें तो यह तर्क भी ग़लत साबित होता है। प्रभु श्री राम के मंदिर के साथ साथ उसी परिसर में कई और मंदिरों का निर्माण भी हो रहा है। इनमें शिव, अन्नपूर्णा, भगवती, गणेश, हनुमान, सूर्य, वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, जटायु और शबरी के मंदिर भी शामिल हैं। इनमें से वाल्मीकि, वशिष्ठ, जटायु और शबरी को भारत की कई पिछड़ी जातियां और जनजातियां अपने पूर्वज मानती हैं। हनुमान, जिन्हें कुछ जनजातियां अपना पूर्वज मानती हैं, उनकी भक्ति सभी वर्गों के लोग करते हैं। राम मंदिर सभी हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा है लेकिन साथी ही यह हिन्दू धर्म की विविधता का समावेशी भी है।

तीसरा, जातियों की पारंपारिक विविधता को ध्यान में रखने के साथ ही यह मंदिर निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए जातियों के वर्गीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है। मोदी ने कहा है कि उनके लिए और उनकी सरकार के लिए चार जातियां महत्त्वपूर्ण हैं। ये जातियां हैं ग़रीब, किसान, महिलाएं और युवा। राम मंदिर का निर्माण होने के साथ साथ अयोध्या के बुनियादी ढाँचे का भी काफ़ी विकास हुआ है जिनमें रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा भी शामिल हैं। राम मंदिर की वजह से अब अयोध्या भारत के प्रमुख तीर्थस्थान के तौर पर उभरा है जिससे पर्यटन को लगातार बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से अयोध्या और उसके आस पास के इलाक़ों में छोटे-बड़े उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसमें होटल, रेस्तरां, ट्रांसपोर्ट, मिठाई की दुकान, पूजा सामग्री की दुकान, फूल की दूकान इत्यादि शामिल हैं। इन उद्योगों को बढ़ावा मिलने से ग़रीब, किसान, महिलाएं और युवाओं को रोज़गार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे मोदी ने अपनी प्राथमिकता में जिन जातियों का ज़िक्र किया है उनका फायदा होगा।

विपक्षी पार्टियां, विशेषत: क्षेत्रीय दल, अपनी राजनीति के लिए जाती या वर्ग विशेष पर निर्भर रहती हैं जैसे पिछड़ी जातियां और ग़रीब। लेकिन राम मंदिर के निर्माण से अब विपक्ष के इस वोट बैंक पर ज़बरदस्त सेंध लगी है जो उनकी नाराज़गी की असली वजह है। राम मंदिर का निर्माण पुरानी व्यवस्था को चुनौती है। राजनीतिक दल संकुचित नज़रिए से जातियों का विकास करने की बजाए उनका चुनाव जीतने के लिए इस्तेमाल करते थे। राम मंदिर से जहां एक तरफ़ करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान हो रहा है, वहीं भारत की राजनीति भी बदल रही है। राम मंदिर से दो महत्त्वपूर्ण संदेश जाते हैं। एक तो हिन्दू धर्म का अभिमान होना उसकी विविधताओं को नकारना है। दूसरा, आस्था का सम्मान करने का मतलब विकास को नज़रअंदाज़ करना नहीं होता। राम मंदिर यह साबित करता है कि आस्था और विकास एक दूसरे से जुड़े हैं। इसीलिए राम मंदिर का निर्माण पूरे देश के लिए एक नई शुरुआत है।

कांग्रेस की न्याय यात्रा और विपक्षी एकता

राजेश बादल

राजनीतिक पंडित इन दिनों हैरान हैं। देश आम चुनाव के मुहाने पर है और कांग्रेस पार्टी अपनी अलग खिचड़ी पकाने में लगी है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा सियासी है अथवा उसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। अगर लेना-देना है तो यह इंडिया की यानी संयुक्त प्रतिपक्ष की ओर से क्यों नहीं निकाली जा रही है? क्या न्याय यात्रा से मतदाता प्रभावित होंगे?

क्या यह यात्रा मतदाताओं के समर्थन को वोट में बदल सकेगी? ऐसे ही तमाम सवाल विश्लेषकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। अवाम के बीच भी इस यात्रा के असर पर दुविधा दिखाई दे रही है। हालांकि इंडिया गठबंधन के घटक दल भी नहीं समझ पा रहे हैं कि एक तरफ गठबंधन का न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय नहीं हुआ है, सीटों के तालमेल का कोई स्पष्ट रूप सामने नहीं है। प्रचार अभियान की रूपरेखा नहीं बनी है और न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

राजनीतिक और कूटनीतिक प्रेक्षकों के बीच इन प्रश्नों का उभरना वाजिब है। कांग्रेस अपने अस्तित्व में आने के बाद से पहली बार गहरे गंभीर संकट का सामना कर रही है। इतने दुर्बल और निर्बल आकार में मतदाताओं ने इस विराट आकार वाली पार्टी को कभी नहीं देखा। इस तथ्य को सभी स्वीकार करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र की सेहत के मद्देनजर मजबूत प्रतिपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन हुआ इसका उल्टा है। दस वर्षों में प्रमुख राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी कांग्रेस और क्षेत्रीय तथा प्रादेशिक दलों की संसद और विधानसभाओं में नुमाइंदगी कम होती जा रही है। उसका संगठन चरमराया सा है।

वर्षों से साथ रहे नेता और कार्यकर्ता दल से किनारा कर चुके हैं। पार्टी के आनुषंगिक संगठन कमजोर हुए है। इसके बाद भी सबसे पुरानी और दशकों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस की ओर यदि विपक्षी पार्टियां आशा भरी निगाहों से देख रही हैं तो इसमें क्या अनुचित है। अपने बेहद महीन आकार में भी कांग्रेस करीब 14 करोड़ वोटों के ढेर पर बैठी है। उसकी तुलना में उसके सारे सहयोगी दल पौन करोड़ से लेकर दो ढाई करोड़ मतदाताओं के समर्थन के साथ सत्ता में भागीदारी का सपना देख रहे हैं।

जाहिर है कि उनकी महत्वाकांक्षा बिना कांग्रेस को साथ लिए पूरी नहीं हो सकती। ऐसे में उनका विरोधाभासी रवैया यकीनन हैरान करने वाला है। वे एक तरफ कांग्रेस की इस बात के लिए अरसे तक आलोचना करते रहे हैं कि बड़ी पार्टी होने के नाते वह एकता की पहल नहीं कर रही है। जब कांग्रेस ने इसकी शुरुआत की तो भी वे आक्रामक मूड में दिखाई देते हैं। सीटों के तालमेल पर वे रत्ती भर टस से मस नहीं होना चाहते। चाहे वह तृणमूल कांग्रेस हो अथवा समाजवादी पार्टी।

उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना हो या फिर आम आदमी पार्टी। वे अपने आग्रह पर अड़े हुए हैं। बंगाल और उत्तर प्रदेश में ममता और अखिलेश एक-दो सीटों से ज्यादा कांग्रेस को नहीं देना चाहते। जिस दल की कोख से उनका वोट बैंक निकला है, उसी को लेकर वे भयभीत दिखाई देते हैं। उन्हें डर है कि कांग्रेस से जो मतदाता छिटक कर समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस में आए हैं, वे कहीं वापस कांग्रेस के खाते में न लौट जाएं। अल्पसंख्यक मतदाताओं का तो वैसे भी अब

प्रादेशिक और क्षेत्रीय दलों से मोहभंग होने लगा है क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर ये दल उनके हितों की रक्षा करने में कामयाब नहीं रहे हैं। इसके अलावा इन पार्टियों में उनका प्रतिनिधित्व अत्यंत कम है।

ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि असुरक्षा और भय की मानसिकता के साथ क्या क्षेत्रीय और प्रादेशिक दल सचमुच लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय कर सकेंगे? कांग्रेस ने अपने हालिया ऐलान में तीन सौ के आसपास उम्मीदवार ही मैदान में उतारने का फैसला किया है। इतनी कम सीटों पर तो उसने कभी चुनाव नहीं लड़ा। इसके बावजूद विपक्षी दल उससे और अपेक्षा कर रहे हैं। यह लोकतांत्रिक गठबंधन की स्वस्थ्य अपेक्षा नहीं मानी जा सकती। कोई भी राजनीतिक पार्टी अपने विस्तार और मजबूती के लिए काम करना चाहेगी। अगर यह छूट छोटे दल लेना चाहते हैं तो फिर कांग्रेस क्यों न सोचे?

क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का भी बहुत खुले दिल से स्वागत नहीं किया था और अनमने अंदाज में उसका समर्थन किया था। इसके बाद राहुल गांधी की न्याय यात्रा के साथ भी वे न्याय नहीं कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उन्हें जिस आक्रामक ढंग से इस यात्रा में शामिल होना चाहिए था, वैसा नहीं हुआ। खुलकर वे न्याय यात्रा के साथ भी नहीं आ रहे हैं। एकाध अपवाद को छोड़ दें तो हम पाते हैं कि वे राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर सहज नहीं हैं। उन्हें लगता है कि न्याय यात्रा बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत चौदह राज्यों से निकलेगी तो कहीं कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार न उसे मिल जाए। इसलिए वे घूंघट की ओट में समर्थन देते हैं और आपसी चर्चाओं में घूंघट हटाकर बात करते हैं। वैचारिक आधार पर देखें तो उनकी यह भूमिका उन्हें लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व नहीं बनाती।

इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों की एक मुश्किल और है। वे लोकतंत्र बचाने के नाम पर तो एकजुट होते हैं, तानाशाही से दूर रहने का नारा देते हैं, मगर उनके अपने दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं है। यह क्षेत्रीय पार्टियां एक बड़े नाम और उसके कुनबे के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई हैं। उनके भीतर भी स्थानीय स्तर पर संगठन के वैध चुनाव का कोई तरीका विकसित नहीं हुआ है। जब तक कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का बाकायदा निर्वाचन नहीं कराया था,तब तक वे कांग्रेस के साथ बहुत शत्रुतापूर्ण व्यवहार नहीं करते थे।

अब कांग्रेस ने अपने भीतर निर्वाचन कराए और मल्लिकार्जुन खड़गे के रूप में एक दलित नेता को चुन लिया तो फिर वे इसे स्वाभाविक ढंग से पचा नहीं पा रहे हैं। नैतिक धरातल पर वे अब कांग्रेस से अपेक्षाकृत नीचे खड़े नजर आ रहे हैं। कांग्रेस पर वे चाहे जितने मतभेद रखें, पर उन्हें अपने को वैचारिक और नैतिक रूप से कांग्रेस के समकक्ष तो लाना ही होगा। यह काम मुश्किल तो नहीं, मगर आसान भी नहीं है। यदि वे भारतीय जनता पार्टी से वाकई मुकाबला करके प्रतिपक्ष को मजबूत बनाना चाहते हैं तो उन्हें अपने कुछ राजनीतिक हितों की कुर्बानी देनी ही होगी।

पटना हाईकोर्ट में डिस्ट्रिक्ट जज के पदों पर निकली बंपर वैकेंसी

20 जनवरी से पहले करे आवेदन

सरकारी नौकरी की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। बता दें कि पटना हाईकोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट जज पदों पर वैकेंसी निकाली है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार डिस्ट्रिक्ट जज के पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, तो वह ऑफिशियल वेबसाइट patnahighcourt.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू हो चुकी है। वहीं आवेदन की लास्ट डेट 20 जनवरी 2024 है। डिस्ट्रिक्ट जज पदों पर 22 दिसंबर 2023 से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं आवेदन के इच्छुक उम्मीदवार 20 जनवरी 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्वालिफिकेशन

इन पदों पर आवेदन करने वाले युवाओं का मान्यता प्राप्त संस्थान से लॉ में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है। इसके साथ ही कैंडिडेट ने कम से कम 7 साल प्रैक्टिस की हो। वहीं इन पदों पर आवेदन के लिए कई योग्यताओं का होना जरूरी है। इसलिए आवेदन से पहले उम्मीदवार एक बार वैकेंसी नोटिफिकेशन चेक कर लें।

आयु सीमा

इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 35 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए नोटिफिकेशन जरूर चेक कर लें।

फीस

डिस्ट्रिक्ट जज के पदों पर आवेदन के लिए जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों को 1500 रुपए और रिजर्व्ड कैटेगरी के उम्मीदवारों को 750 रुपये एप्लीकेशन फीस देनी होगी।

सिलेक्शन

इन पदों पर चयनित होने वाले उम्मीदवारों को तीन चरणों से यानी की प्री, मेंस और इंटरव्यू से गुजरना होगा।

सैलरी

इन पदों पर सिलेक्शन पाने वाले उम्मीदवारों को 1,44,000 से 1,94,000 रुपये मासिक सैलरी दी जाएगी।

झारखंड कॉन्सटेबल भर्ती के लिए 15 जनवरी से शुरू हुए आवेदन

10वीं पास कर सकते हैं अप्लाई

JSSC ने झारखंड कांस्टेबल कंपीटिटिव एग्जामिनेशन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। जेएसएससी पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2024 के लिए 15 जनवरी 2024 से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार आवेदन करना चाहते हैं, वह झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट jssc.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि आवेदन की लास्ट डेट 14 फरवरी 2024 है। वहीं सुधार विंडो के माध्यम से उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र को संपादित करने का अवसर भी मिलेगा। इसके अलावा 20 से 22 फरवरी तक उम्मीदवार आवेदन में सुधार कर सकते हैं। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग में कुल 4,919 कांस्टेबल की भर्ती की जाएगी।

क्वालिफिकेशन और आयु

इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास होना जरूरी है। वहीं आयु सीमा 18 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। राज्य सरकार के नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में आरक्षित वर्ग को छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस

झारखंड कांस्टेबल की भर्ती के लिए कंपीटिटिव एग्जामिनेशन के कई चरण होंगे। कैंडिडेट को शारीरिक परीक्षा और रिटेन परीक्षा के आधार पर सिलेक्शन होगा। वहीं शारीरिक दक्षता की जांच के लिए दौड़ का आयोजन किया जाएगा। जहां पुरुषों को 60 मिनट में 10 किमी तो वहीं महिला कैंडिडेट को 30 मिनट में 5 किमी की दूरी तय करनी होगी।

इसके साथ ही रिटेन एग्जाम में दो पेपर होंगे और हर पेपर की अवधि कुल 2 घंटे की होगी। हर सही उत्तर के लिए 3 अंक प्राप्त होंगे और हर गलती का 1 अंक काट लिया जाएगा। इस भर्ती में चयनित उम्मीदवारों को हर महीने 21700 रुपये से 69100 रुपये सैलरी मिलेंगी।

एप्लीकेशन फीस

सामान्य वर्ग और अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के लिए सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये है। वहीं राज्य के एससी और एसटी उम्मीदवारों को 50 रुपए एप्लीकेशन फीस देना होगा। फीस का भुगतान ऑनलाइन करना होगा।

ऐसे करें आवेदन

- सबसे पहले छ्स्स्ष्ट की ऑफिशियल वेबसाइट jssc.nic.in पर जाएं।
- फिर होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
- इसके बाद आपको नए वेबपेज पर रीडॉयरेक्ट किया जाएगा।
- अब न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करके मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
- फिर जनरेट हुए लॉगिन क्रेडेंशियल के इस्तेमाल से ऑनलाइन फॉर्म भरें।
- आवेदन में मांगे गए जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
- आखिरी में आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
- वहीं भविष्य के लिए झारखंड पुलिस कांस्टेबल 2024 आवेदन फॉर्म डाउनलोड कर लें।

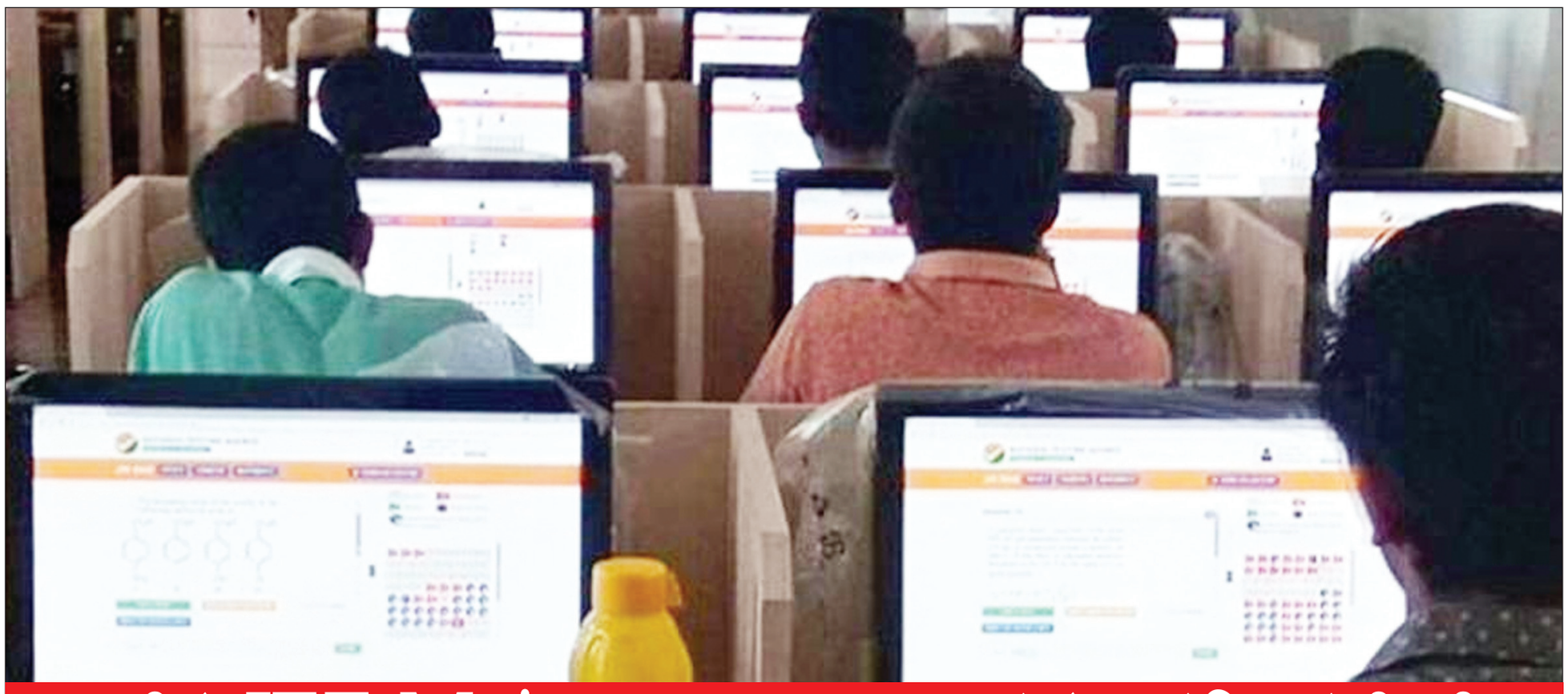

जनवरी में JEE Main का एग्जाम, 13 भाषाओं में आयोजित होगी परीक्षा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा जेईई मुख्य 24 से 31 जनवरी को बीच होगी तथा गणतंत्र दिवस उसका अपवाद होगा। परीक्षा का दूसरा सत्र अप्रैल में होगा। परीक्षा के लिए आवेदन 15 दिसंबर से 12 जनवरी तक जमा किये जा सकेंगे। एनटीए की वरिष्ठ निदेशक (परीक्षा) साधना पराशर ने कहा,'' अकादमिक सत्र 2023-24 के लिए यह तय किया गया है कि जेईई (मुख्य)-2023 दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहला सत्र (जनवरी, 2023) और दूसरा सत्र (अप्रैल, 2023) होगा।

यह परीक्षा 13 भाषाओं-अंग्रेजी, हिंदी, असमी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगू और ऊर्दू में होगी। पराशर ने कहा, '' जेईई (मुख्य) 2023 के पहले सत्र में केवल पहला सत्र सामने आएगा और अभ्यर्थी उसे चुन सकते हैं। अगले सत्र में केवल दूसरा सत्र नजर आएगा और अभ्यर्थी उसे चुन सकते हैं। दूसरे सत्र के लिए आवेदन खिड़की बुलेटिन में उपलब्ध सूचना के अनुसार फिर खुलेगी और उसके लिए अलग से अधिसूचना भी जारी की जाएगी।

जेईई-मुख्य एनआईटी, आईआईटी और अन्य केंद्रीय वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य सहभागी राज्य सरकारों द्वारा वित्तपोषित या मान्यताप्राप्त संस्थानों में स्नातक अभियांत्रिकी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। यह जेईई एडवांस्ड के लिए अर्हता परीक्षा भी है जो आईआईटी में प्रवेश के लिए करायी जाती है।

नहीं मिल रही सरकारी नौकरी तो प्राइवेट सेक्टर में बढ़ाएं कदम इस वर्ष इन क्षेत्रों में रहेगी नौकरियों की भरमार

हमारे देश में नौकरी को समाज में अलग ही अहमियत है और अगर आपके पास सरकारी नौकरी है तो समाज में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। इसलिए 12वीं करने के बाद से ही स्टूडेंट्स हों या पैरेंट्स उन्हें भविष्य की चिंता सताने लगती है। लेकिन वर्तमान समय में लोग प्राइवेट नौकरियों की ओर भी तेजी से आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि इनमें सरकारी नौकरी जैसी ही सुविधाओं के साथ ही बेहतर वेतन भी मिलता है। इसके साथ ही प्राइवेट नौकरियों में वर्क फ्रॉम होम का कल्चर भी तेजी से बढ़ा है।

अगर आप भी सरकारी नौकरी की तैयारी करके थक चुके हैं और अभी तक नौकरी नहीं मिली है तो आप हमारे द्वारा यहां बताये जा रहे कुछ क्षेत्रों की ओर कदम बढ़ाकर नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

कंटेंट क्रिएटर

कंटेंट क्रिएटर के लिए पिछले कुछ सालों में तेजी से नौकरी उभरी हैं और आगे भी इस क्षेत्र में लगातार ग्रोथ हो रही है। डिजिटल मीडिया के जमाने में कंटेंट राइटर की मांग लगातार मार्केट में रहने वाली है। इसलिए अगर आपमें हिंदी हो या अंग्रेजी भाषा पर पकड़ है लिखने की क्षमता है तो यह क्षेत्र आपके लिए अच्छा है। इस क्षेत्र में आप ऑफिस से लेकर वर्क फ्रॉम होम की जॉब ज्वाइन कर सकते हैं।

डाटा एनालिस्ट

डिजिटल होते युग में डाटा का महत्व किसी भी कंपनी/ संस्थान के लिए डाटा और उसकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण हो गयी है। इसलिए नए वर्ष पर आप डाटा एनालिस्ट के रूप में नौकरी शुरू कर सकते हैं। डाटा एनालिस्ट का काम की कंपनी के डाटा को इकठ्ठा करके उसको सुरक्षित रखने का होता है। इस क्षेत्र में आपको सरकारी नौकरी से भी ज्यादा वेतन प्राप्त हो सकता है।

सोशल मीडिया एक्सपर्ट

अगर आपको सोशल मीडिया का ज्ञान और तो आप सोशल मीडिया एक्सपर्ट के रूप में काम कर सकते हैं। अगर आपको इस क्षेत्र की ज्यादा जानकारी नहीं है तो आप सोशल मीडिया एक्सपर्ट के लिए उपलब्ध विभिन्न ऑफलाइन या ऑनलाइन कोर्स कर सकते हैं और इसकी बारीकियां सीख सकते हैं। इसके बाद आप किसी भी कंपनी में सोशल मीडिया एक्सपर्ट के रूप में काम करके लाखों रुपये का पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।

इंटरव्यू में बार-बार मिल रही असफलता तो अपनाएं ये टिप्स, आसानी से मिल जाएगी जॉब

अक्सर देखा जाता है कि इंटरव्यू के दौरान कैंडिडेट थोड़ा नर्वस रहते हैं। इसका मुख्य कारण कांफिडेंस की कमी का होना माना जाता है। ऐसे में अगर आप कॉन्फिडेंट होते हैं, तो आप किसी भी इंटरव्यू को आसानी से पार कर सकते हैं। ऐसे में अब आप सोच रहे होंगे कि कांफिडेंस कैसे बढ़ता है, तो बता कि कम्युनिकेशन स्किल में कमी होने पर कांफिडेंस कम होता है। क्योंकि अगर किसी उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल कमजोर होती है, तो वह डरा-सहमा महसूस करता है। फिर चाहे वह कितना भी जानकार क्यों न हो।

कैसे बढ़ाएं कम्यूनिकेशन स्किल

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना काफी जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

ठीक से सुने प्रश्न

इंटरव्यू के दौरान पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से सुनकर तभी उत्तर देना चाहिए। क्योंकि जब आप अच्छे से सवाल को समझेंगे तो उसका उचित उत्तर दे सकेंगे। वहीं आपका यह तरीका इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति पर आपकी अलग छाप छोड़ता है।

स्पष्ट और सरल भाषा में दे जवाब

इंटरव्यू के दौराम आपको आसानी से समझ आने वाली भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान आप सरल और स्पष्ट तरीके से अपनी बात रखें। सरल भाषा के इस्तेमाल से आप शब्दजाल में नहीं फसेंगे। साथ ही कम शब्दों से सही से जवाब दें। क्योंकि अगर आप बहुत लंबा उत्तर देते हैं, तो यह सामने वाले व्यक्ति को विचलित कर सकता है।

पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज का पॉजिटिव होना बहुत जरूरी है। आई कॉन्टैक्ट और हाथों के इशारों का इस्तेमाल करें। इससे इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति को लगेगा कि आपके अंदर कांफिडेंस है। इस दौरान आपको पेशेवर और औपचारिक लहजा अपनाना चाहिए। भले ही फिर आप कितने ही चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना क्यों न कर रहे हों।

लचीलापन

इस दौरान अपने कम्यूनिकेशन में लचीलापन जरूर रखें। इससे सामने वाले पर आपका अच्छा इम्पैक्ट पड़ेगा। क्योंकि कुछ लोग औपचारिक तरीके से तो कुछ लोग अन्य अनौपचारिक तरीके से बातचीत करना पसंद करते हैं।

मजेदार तरीके से दें जवाब

किसी भी प्रश्न के जवाब में आप उदाहरण के तौर पर सिचुएशन, टास्क, एक्शन, रिजल्ट मेथेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका जवाब थोड़ा इंट्रेस्टिंग बन सकता है।

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारना चाहते हैं अपना कॅरियर, जानिए कहां से करें यह कोर्स

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

इन संस्थानों से करें कॉस्मेटोलॉजी कोर्स

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु, कमला नेहरू कॉलेज फॉर वुमेन, पंजाब, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, महाराष्ट्र, कन्या महाविद्यालय, पंजाब

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

ये स्किल्स आएंगे काम

प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटी, टाइम मैनेजमेंट स्किल्स, फिजिकल स्टैमिना, हस्त-निपुणता, ट्रेंड अवेयरनेस, कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, स्वच्छता।

मणिपुरः नीट-यूजी परीक्षा 3 से 5 जून के बीच, सीयूईटी-यूजी का आयोजन 5 से 8 जून तक होगा

मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए स्थगित की गई चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी अब तीन से पांच जून के बीच किसी भी तारीख को आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। एनटीए ने यह भी कहा कि राज्य में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-यूजी पांच से आठ जून और स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा सीयूईटी-पीजी की परीक्षा पांच से 17 जून तक कराई जाएगी।

एनटीए की वरिष्ठ निदेशक साधना पराशर ने कहा, एनटीए ने मणिपुर के राज्य प्रशासन के परामर्श से कानून-व्यवस्था की स्थिति की सावधानीपूर्वक समीक्षा की है और राज्य सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा(नीट)-यूजी, सीयूईटी-यूजी और सीयूईटी-पीजी के लिए उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा, परीक्षा के लिए शहर बदलने का विकल्प मणिपुर में उन उम्मीदवारों के लिए भी उपलब्ध है, जो कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण नीट-यूजी, सीयूईटी-यूजी में शामिल नहीं हुए हैं या चूक गए हैं, भले ही उन्होंने इन परीक्षाओं के लिये अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड किए हों या नहीं। देश भर में नीट-यूजी का आयोजन सात मई को किया गया था, जबकि सीयूईटी-यूजी 21 मई से शुरू हुआ था।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

ईडी के समन ने केजरीवाल को धर्म से जोड़ा : अनुराग ठाकुर

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सुंदरकांड पथ अभियान को लेकर आम आदमी पार्टी पर तीखा कटाक्ष किया और कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय के समन के कारण पार्टी धर्म की ओर मुड़ गई। उन्होंने आप सरकार पर दिल्ली में अपने शासनकाल के दौरान हिंदू मंदिरों, पुजारियों और संतों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के लगातार समन में शामिल नहीं हुए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जिनके कई नेता जेल में हैं, जो कहते थे हम भ्रष्टाचार से लड़ेंगे, आज वही अरविंद केजरीवाल और उनके लोग भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं। इन लोगों को चार बार ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा जा चुका है। वे समन को छोड़ देते हैं लेकिन मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए वे सुंदरकांड का पाठ कर रहे हैं।

लालू यादव ने ठुकराया राम मंदिर समारोह का निमंत्रण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे राम मंदिर समारोह के लिए मिले मंदिर ट्रस्ट के आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। राज प्रमुख लालू यादव ने कहा कि वो राम मंदिर समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या नहीं जाएंगे। लालू यादव से पहले कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीएम की ओर से सीताराम येचुरी, सपा के अखिलेश यादव और एनसीपी के शरद पवार भी मंदिर समारोह का निमंत्रण स्वीकार कर चुके हैं। लालू यादव से पूर्व एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी विपक्षी गठबंधन इंडिया के अन्य घटक दलों की तरह 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था। एनसीपी चीफ शरद पवार ओर से मंदिर समारोह के निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया गया है और कहा गया है कि वो कार्यक्रम के बाद और निर्माण पूरा होने के बाद दर्शन के लिए आएंगे।

सिंधिया ने अयोध्या-कोलकाता उड़ान को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या को कोलकाता से जोड़ने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है जो देश की प्रगति सुनिश्चित करता है। हमने पिछले साल नवंबर में दिवाली मनाई थी। इस बीच, मेरे राज्य (मध्य प्रदेश) के लोगों ने भी विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तीन दिसंबर को दिवाली मनाई थी। अब, हम एक और दिवाली मनाएंगे। 22 जनवरी को। वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिये अपने संबोधन में आदित्यनाथ ने कहा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा और पूरा देश इस आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।

पंजाब की सभी 13 सीटों पर जीतेगी आप : भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी आप राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दोनों दलों के वरिष्ठ नेता पंजाब और दिल्ली में सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। मान ने आज कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 13-0 होगी। आप पंजाब में सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। पिछले साल, कांग्रेस और आप की दिल्ली और पंजाब इकाइयों ने भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाने में अनिच्छा दिखाई थी। दोनों पार्टियों के नेताओं ने कहा था कि वे अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे। हालाँकि, 2024 में भारत ब्लॉक भागीदारों ने एक समझौते पर पहुंचने के लिए अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। पिछले हफ्ते दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की थी। एक बड़ी सफलता में आप और कांग्रेस चंडीगढ़ में 18 जनवरी को होने वाले मेयर पद के लिए सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ने पर सहमत हुए।

अरविंद केजरीवाल आज से गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 18 जनवरी से गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। 'आप' की प्रदेश इकाई के प्रमुख अमित पालेकर ने यह जानकारी दी। पालेकर ने बुधवार को बताया कि केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और सांसद राघव चड्ढा तथा संदीप पाठक के साथ 18 से 20 जनवरी तक यहां रहेंगे। पालेकर ने कहा कि आप के वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव से पहले अपनी दौरे में पार्टी विधायकों और पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। गोवा विधानसभा में 'आप' के दो विधायक- वेन्जी वेगास (बेनाउलिम) और क्रूज सिल्वा (वेलिम) हैं। पालेकर ने बताया कि कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी बाद में साझा की जाएगी।

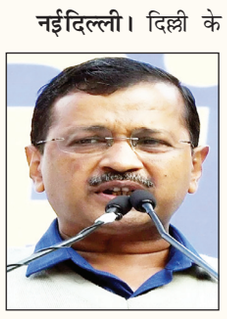

उत्तर बनाम दक्षिण से इंडिया गठबंधन को नुकसान!

नीतीश-ममता की राजनीति से बढ़ेगी कांग्रेस की टेंशन

नईदिल्ली। तेलंगाना में जब से कांग्रेस के जीत हुई है, उसके बाद देश में उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति भी जबरदस्त तरीके से जारी है। उत्तर और खासकर के हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी जीती। जबकि दक्षिण में तेलंगाना में कांग्रेस की जीत हुई। उसके बाद से उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति को हवा देने की कोशिश की गई। इसमें विपक्षी नेताओं की भूमिका कुछ ज्यादा ही रही। इसका बड़ा कारण यह भी है कि आने वाले दिनों में लोकसभा के चुनाव होने है। कांग्रेस और डीएमके जैसे विपक्षी दल दक्षिण में अपने गढ़ को भाजपा से बचना चाहते है और शायद इसी वजह से उत्तर भारतीयों को लेकर उनकी ओर से अलग-अलग बयान भी दिए गए हैं। हालांकि इससे कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती और भी बढ़ सकती हैं।

कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस ने तेलंगाना में जबरदस्त जीत हासिल की। इसके अलावा 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने केरल में शानदार जीत हासिल की थी। ऐसे में दक्षिण राज्यों में फिलहाल कांग्रेस का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिलता है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सिर्फ पोस्ट किए थे द साउथ। इसी के बाद से यह लड़ाई और भी तेज हो गई। भाजपा ने इसे विभाजनकारी सोच बता दिया। हालांकि कांग्रेस 2024 में सत्ता में आने की कोशिश में जुटी है। 28 दलों को मिलाकर इंडिया गठबंधन बनाया गया है। लेकिन उत्तर बनाम दक्षिण की लड़ाई में कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि दक्षिण के नेताओं की ओर से उत्तर भारतीय को लेकर लगातार बयान बाजी की जाती है। इतना ही नहीं, हिंदी के खिलाफ भी उनकी ओर से बोला जाता है। कांग्रेस इस पर खुलकर कोई स्टैंड नहीं ले पाती। यही कारण है कि हिंदी पट्टी राज्यों में उसे नुकसान का डर है।

संसद में डीएमके के एक सांसद ने उत्तर भारतीयों को लेकर गोमूत्र वाला बयान दिया था। उसके बाद डीएमके के एक दूसरे नेता ने बिहार, उत्तर प्रदेश के हिंदी भाषी लोगों की तुलना टॉयलेट साफ करने वालों से कर दी थी। इन तमाम मसलों पर कांग्रेस को जितना खुलकर बोलना चाहिए था, पार्टी ने उस हिसाब से अपना पक्ष नहीं रखा।

वहीं, भाजपा आक्रामक रही। ऐसे में इंडिया गठबंधन के लिए चुनौतियां कई सारी हैं। बताया जाता है कि जिस तरीके से इंडिया गठबंधन के भीतर इंग्लिश को बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, वह बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार को कतई पसंद नहीं है। अक्सर हमने देखा है कि नीतीश इंग्लिश के खिलाफ बोलते रहते हैं। वह हिंदी को प्रमोट करने के हमेशा पक्ष में रहे हैं। खबर तो यह भी आई थी कि जब गठबंधन का नाम इंडिया रखा जा रहा था तो नीतीश ने इसका विरोध किया था और उन्होंने इसे हिंदी नाम पर रखने को कहा था। हालांकि, नीतीश के बाद को अनसुना कर दिया गया।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी भी हिंदी के पक्ष में खड़ी रहती है। वहीं, दूसरी ओर देखे तो ममता बनर्जी क्षेत्रीय स्मिता की बात करती हैं और वह लगातार बंगाली को प्रमोट करने की कोशिश में रहते हैं। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन में सारे दाल गुलाब की फूलों की तरह है जो एक साथ मिलकर गुलदस्ता बनते हैं। हालांकि, यह गुलदस्ता कहीं आने वाले समय में इंडिया गठबंधन पर ही भारी न पड़ जाए, इसका भी ध्यान रखना होगा। हिंदी पट्टी में आखिर कांग्रेस का सफाया क्यों हुआ, यह पार्टी के लिए सोचने वाली बात है। भाजपा दक्षिण में उस तरीके से मजबूत नहीं रही है। हां कर्नाटक में उसनी अपना सरकार खोया है लेकिन उसका वोट प्रतिशत बरकरार है। तेलंगाना में भी उसे अच्छी सफलता मिली है। लेकिन उत्तर भारत के राज्यों में कांग्रेस लगातार सिमटी जा रही है।

कांग्रेस को पता है कि उत्तर भारत में फिलहाल वह उतनी मजबूत नहीं है। लेकिन अगर दक्षिण भारत में वह अपने सीटों को बढ़ाने में कामयाब हो पाती है तो उसके भविष्य की राजनीति के लिए यह अच्छा हो सकता है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे राज्य दक्षिण भारत में आते हैं। आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगना, कर्नाटक और तमिलनाडु को मिला दें तो यहां लोकसभा की 129 सीटें हैं। अगर इन 129 सीटों में से कांग्रेस को 70 से 80 पर भी जीत मिलती है तो यह पार्टी की उम्मीदों के लिए फायदेमंद रह सकता है। हालांकि, कांग्रेस हिंदी पट्टी के मुद्दों को लेकर अगर खामोश होती है तो उसके लिए उत्तर भारत में स्थिति और भी कठिन हो सकती है।

वर्तमान में देखें तो दक्षिण के विपक्षी नेताओं के जो बयान है, उसे साफ तौर पर जाहिर होता है कि वह उत्तर भारतीयों को फिलहाल राजनीतिक तौर पर राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे पर ही समेटना चाहते हैं। यह बात सच है कि भाजपा राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का मुद्दा जोर-जोर से उठती है और उसे उत्तर भारत में जबरदस्त सफलता भी मिल रही है। दक्षिण भारत में भाजपा लंबे समय से एक्टिव है बावजूद इसके उसे वहां कामयाबी नहीं मिल पा रही है। हालांकि, भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति समाप्त हो जाएगी। भाजपा को इस बात की भी उम्मीद है कि केरल और तमिलनाडु में उसके वोट प्रतिशत बढ़ने वाले हैं। भाजपा दावा करती रही है कि मतदाताओं को गुमराह करने के लिए उत्तर बनाम दक्षिण का नॉरेटिव विपक्ष की ओर से सेट किया जा रहा है। लेकिन उसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिलेगी।

केरल में विभिन्न परियोजनाओं का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन, बोले-

अपनी समुद्री शक्ति बढ़ा रहा भारत: मोदी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केरल के दौरे पर थे। हाल के दिनों में उनका यह दूसरा दौरा है। इस दौरान आज उन्होंने कोच्चि में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इससे पहले मोदी ने गुरुवयूर में गुरुवयूर मंदिर में पूजा की। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि आज सुबह गुरुवायूर मंदिर में पूजा-अर्चना करने का अवसर मिला। कुछ दिन पहले 30 दिसंबर को अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करते समय, मैं केरल में रामायण से संबंधित चार मंदिरों के बारे में बात कर रहा था...अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला।

मोदी ने कहा कि इस आज़ादी के अमृत काल में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में देश के हर राज्य की अपनी-अपनी भूमिका है। ऐसे समय में जब भारत समृद्ध था, जब वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी बहुत बड़ी थी, तब उसकी ताकत उसके बंदरगाह और बंदरगाह शहर ही थे। अब, जब भारत फिर से वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है, तो हमने अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब भारत वैश्विक व्यापार का केंद्र बन रहा है, तब हम अपनी समुद्री शक्ति बढ़ा रहे हैं। आज देश को अपना सबसे बड़ा ड्राई डॉक (एनडीडी) मिल गया। इसके अलावा जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल के बुनियादी ढांचे का भी उद्घाटन किया गया है। इन नए फीचर्स से शिपयार्ड की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। मैं केरल के लोगों को इन सुविधाओं के लिए बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है उनसे देश के दक्षिणी क्षेत्र की प्रगति और विकास में तेजी आएगी।

मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार कोच्चि जैसे तटीय शहरों की क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। हम सागरमाला परियोजना जैसी पहल के माध्यम से बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने, बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बनाने और मजबूत करने और बंदरगाहों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा भाजपा की प्राथमिकता लोगों की आय बढ़ाने के साथ ही देशवासियों की बचत बढ़ाना भी है। आयुष्मान भारत योजना के तहत देशवासियों को करीब करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। अब तक जन औषधि केंद्रों की वजह से लोगों के 25 हजार करोड़ रुपये बचे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में बीते नौ सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। वहीं कांग्रेस के पांच दशकों के शासन में सिर्फ गरीबी हटाओं का नारा दिया गया। इससे पता चलता है कि हमने विकसित भारत का जो रास्ता चुना है, वह सही है। हमें अपने मतदाताओं को यह बताना होगा कि 10 साल पहले देश में हर दूसरे दिन आतंकी घटनाएं होती थीं, जिससे निवेश और विदेश में रहने वाले हमारे लोग प्रभावित होते थे। एलडीएफ और यूडीएफ गठबंधन का घोटालों का इतिहास रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

आर प्रज्ञाननंदा बने शतरंज में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी

नई दिल्ली। रमेशबाबू प्रज्ञाननंदा ने हाल में शतरंज में विश्व नंबर एक चैंपियन डिंग लिरेन को हरा दिया है। उनकी इस जीत के बाद वो शतरंज में विश्व नंबर एक खिलाड़ी बन गए है। 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा ने चीन के लिरेन को टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट 2024 में बुधवार को हरा दिया। इसी के साथ उन्होंने विश्वाथन आनंद का स्थान लेते हुए यह कारनामा दोहराया है। भारत के युवा शतरंज सुपरस्टार आर प्रज्ञाननंदा ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया जिससे वह दिग्गज विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़कर भारत के सर्वाधिक रेटिंग वाले खिलाड़ी बन गए।

मंगलवार की रात को दर्ज की गई इस जीत से 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा के 2748.3 रेटिंग अंक हो गए हैं जो फिडे लाइव रेटिंग में पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद के 2748 अंकों से अधिक है। विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था प्रत्येक महीने के शुरू में रेटिंग जारी करती है।

प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए 62 चाल में जीत दर्ज की। वह आनंद के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने क्लासिकल शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन को हराया। प्रज्ञाननंदा ने इससे पहले 2023 में टाटा स्टील टूर्नामेंट में भी लीरेन हराया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है। प्रज्ञाननंदा के मास्टर्स ग्रुप में अब 2.5 अंक हो गए हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। यह किशोर ग्रैंडमास्टर अभी अच्छी फॉर्म में है। उन्होंने पिछले साल विश्व कप में मैग्नस कार्लसन के बाद दूसरे नंबर पर रहते हुए अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। मास्टर्स ग्रुप में नीदरलैंड के अनीश गिरी 3.5 अंक लेकर पहले स्थान पर हैं। उन्होंने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को हराया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

एक झटके में 1628 अंक लुढ़का सेंसेक्स

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस साल अमेरिकी फेड दर में कटौती वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से कम होने और इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट से बाजार औंधे मुंह लुढ़क गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 73,128.77 अंक के मुकाबले आज 1 हजार अंक से बड़ी गिरावट लेते हुए 71,998.93 पर खुला और इंट्रा-डे कारोबार के दौरान 71,429.30 तक गिरा। अंत में यह 1628.01 अंक या 2.23 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 71,500.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 2.09 प्रतिशत या 460.35 अंक की गिरावट के साथ 21,571.95 पर क्लोज हुआ। लार्जकैप शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

एसबीआई को पीछे छोड़ एलआईसी आगे

नईदिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) बाजार पूंजीकरण में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को पछाड़कर फिर से सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। एलआईसी शेयर की कीमत में बुधवार को सुबह के कारोबार में 2% से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण रू. 5.8 लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। यह 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर रू. 919.45 प्रति शेयर पर पहुंच गया। एलआईसी का मार्केट कैप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप से अधिक हो गया। बीएसई पर एसबीआई के शेयर की कीमत 1% नीचे रही, जबकि इसका मार्केट कैप लगभग रू. 5.62 लाख करोड़ रहा। जुलाई 2022 में एसबीआई ने बाजार पूंजीकरण के मामले में एलआईसी से बेहतर प्रदर्शन किया था।

अदाणी ग्रुप तेलंगाना में करेगा 12,400 करोड़ रूपये का निवेश

नईदिल्ली। अदाणी समूह और तेलंगाना सरकार ने बुधवार को राज्य में 12,400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अदाणी समूह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)-2024 में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की उपस्थिति में इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के तहत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) अगले पांच से सात साल में 100 मेगावाट के डेटा सेंटर में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। यह डेटा सेंटर नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित होगा। एईएल इस परियोजना के लिए वैश्विक स्तर पर सक्षम आपूर्तिकर्ताओं का आधार बनाने के लिए स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप के साथ काम करेगी।

एचएसबीसी इंडिया ने भारत में खोली सबसे बड़ी ब्रांच

नईदिल्ली। एचएसबीसी इंडिया ने भारत में अपनी सबसे बड़ी शाखा खोलने की घोषणा की है। एचएसबीसी इंडिया ने एक बयान में कहा कि बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में स्थित यह शाखा 8,300 वर्ग फुट में फैली है। बैंक का इरादा क्षेत्र के समृद्ध लोगों को अपने साथ जोड़ने का है। यह एचएसबीसी इंडिया के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि वह देश में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है। बेंगलुरु साउथ, जिसकी अब व्हाइटफील्ड से 'कनेक्टिविटी' काफी सुगम है, की प्रति व्यक्ति आय 11,305 अमेरिकी डॉलर (9,36,983 रुपये) है, जो देश में सबसे अधिक है। यह भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,610 डॉलर (2,16,316) का चार गुना है। बैंक के प्रमुख (संपदा और व्यक्तिगत बैंकिंग) संदीप बत्रा ने कहा कि उद्यमिता और नवोन्मेषण से संपत्ति सृजन बढ़ रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले देश में होगा एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार

जितेंद्र भारद्वाज

अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा से पहले देश में अर्थव्यवस्था को पंख लग गए हैं। श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले देश में एक लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अकेले दिल्ली में ही 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने दावा किया है कि 22 जनवरी से पहले देश भर में व्यापारी एवं दूसरे सामाजिक संगठनों द्वारा लगभग 30 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

खंडेलवाल के मुताबिक, अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते देशभर में व्यापार में भारी वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इससे पहले कैट ने 50 हजार करोड़ रुपये का व्यापार का अनुमान लगाया था, लेकिन जिस प्रकार से दिल्ली सहित देशभर के लोगों में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जबरदस्त उत्साह है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि देश में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए कैट ने देश के 30 शहरों से प्राप्त फीडबैक को आधार बनाया है। कैट ने पूर्व अनुमान को संशोधित करते हुए कहा, मंदिर के इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह से देश की अर्थव्यवस्था में उछाल का आंकड़ा, एक लाख करोड़ रुपये के व्यापार को पार करेगा।

खंडेलवाल ने इसे देश के व्यापारिक इतिहास की दुर्लभ घटना बताया है। उन्होंने कहा, आस्था और विश्वास के बल पर देश में व्यापार वृद्धि की यह सनातन अर्थव्यवस्था बड़ी मात्रा में अनेक नए व्यापारिक अवसरों

का सृजन कर रही है। एक लाख करोड़ रुपये के अनुमान के आधार के बारे में उन्होंने कहा, श्री राम मंदिर के प्रति व्यापारियों एवं अन्य वर्गों के अनुराग और समर्पण की वजह से देशभर में 22 जनवरी तक व्यापारी संगठनों द्वारा लगभग 30 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें बाजारों में शोभा यात्राएं, राम पैदल यात्रा, राम रैली, राम फेरी, स्कूटर एवं कार रैली व राम चौकी सहित अनेक आयोजन होंगे।

बाजारों को सजाने के लिए राम झंडे, पटके, टोपी, टी शर्ट व राम मंदिर की आकृति के छपे कुर्ते आदि की बाजार में जबरदस्त मांग है। जिस तरह से राम मंदिर के मॉडल की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए देश भर में 5 करोड़ से अधिक मॉडल की बिक्री होने की संभावना है। मॉडल तैयार करने ही लिए देश के विभिन्न शहरों में दिनरात काम चल रहा है। बड़े पैमाने पर म्यूजिकल ग्रुप, ढोल, ताशे, बैंड, शहनाई, नफीरी आदि बजाने वाले कलाकार आगामी दिनों के लिए बुक हो गए हैं। शोभा यात्रा के लिए झांकियां बनाने वाले कारीगरों और कलाकारों को भी बड़ा काम मिला है। देशभर में मिट्टी एवं अन्य वस्तुओं से बने करोड़ों दीपकों की मांग है। बाजारों में रंग बिरंगी रोशनी करने, फूलों की सजावट आदि की भी बड़े पैमाने पर व्यवस्था हो रही है।

इसके साथ ही भंडारे आदि के आयोजन से सामान एवं सेवाओं के जरिये एक लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान है। खंडेलवाल ने दिल्ली में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संदर्भ में बताया, अगले एक सप्ताह में दिल्ली के बाजारों में 200 से अधिक श्री राम संवाद कार्यक्रम होंगे। लगभग 1000 से अधिक श्री राम चौकी, श्री राम कीर्तन, श्री सुंदरकांड का पाठ, 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ, 24 घंटे का अखंड दीपक प्रज्वलन व भजन संध्या सहित बड़े स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम होंगे। अगले एक सप्ताह में दिल्ली में 200 से अधिक प्रमुख बाजार एवं बड़ी संख्या में छोटे बाजारों में श्री राम झंडों एवं लड़ियों से सजावट तथा हर मार्केट में बिजली की रोशनी होगी। दिल्ली के विभिन्न बाजारों में 300 से अधिक श्री राम फेरी एवं श्री राम पद यात्रा के कार्यक्रम होंगे। दिल्ली के सभी बाजारों और व्यापारियों के घरों एवं दुकानों पर लाखों मिट्टी के दीपक जलाए जाएंगे।

रायपुर। श्री विष्णुदेव साय ने बालोद जिले के गुण्डरदेही के वार्ड नंबर 5 में स्थित चंडी मंदिर तथा राम जानकी मंदिर पहुंचकर माता चंडी, प्रभु श्रीराम एवं माता सीता की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय के मंदिर परिसर पहुंचने पर उनका पारंपरिक रूप से गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने परिसर में स्थापित गुण्डरदेही के पूर्व जमींदार स्वर्गीय ठाकुर निहाल सिंह के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री मोहन मंडावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोस चुनाव के 'कलस्टर प्रभारियों' की बैठक

'नड्डा-शाह' ने दिए जीत के मंत्र!

पूर्व मंत्री मूणत और अजय चंद्राकर भी हुए शामिल

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के लिए नियुक्त किए गए देशभर के क्लस्टर प्रभारियों के साथ मैराथन बैठक कर, पार्टी की चुनावी तैयारियों को बूथ स्तर तक जाकर पुख्ता करने को लेकर अहम निर्देश दिए। बैठक में सभी लोकसभा सीटों की चर्चा हुई तथा इस पर भाजपा एवं सहयोगी दलों के उम्मीदवारों की विजय सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार की गई।

गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 से ज्यादा सीटों के साथ हैट्रिक बनाने के मिशन से चुनाव की तैयारी कर रही भाजपा ने पूरे देश को लोकसभा सीट वाइज 146 क्लस्टरों में बांट दिया है। एक-एक क्लस्टर में 2 से 4 लोकसभा सीटों को रखा गया है। इन क्लस्टरों की जिम्मेदारी पार्टी ने अपने 300 महत्वपूर्ण नेताओं को दी है और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए पार्टी आलाकमान ने इन्हीं 300 नेताओं को देशभर से बैठक के लिए को दिल्ली बुलाया गया।

इस दौरान पूर्व मंत्री व विधायक राजेश मूणत और अजय चंद्राकर भी शामिल हुए। जहां उन्होंने चुनावी रणनीति को आत्मसात किया। साथ ही बीजेपी प्रदेश की तैयारियों का खाका भी पेश किया।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में अमित शाह ने अयोध्या में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करती है, भगवान राम में हमारी आस्था है, राम हमारे हैं और भगवान राम पर हमारा अधिकार है।

उन्होंने यह भी कहा कि देश में माहौल राममय है और हमें एक दूसरे का अभिवादन राम-राम कहकर करना चाहिए। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने मीडिया को बताया कि पार्टी के 300 कार्यकर्ताओं (नेताओं) में लोक सभा की 543 सीटों का बंटवारा किया गया है।

उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिहाज से जिन 300 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। देशभर के उन प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव की तारीखों के आधार पर ही मतगणना की तारीख से लेकर आज तक के काम का रिवर्स टाइम टेबल बनाया है कि किस तिथि तक कौन-कौन सा काम करना जरूरी है और किस तारीख तक क्या-क्या करना है।

उन्होंने बताया कि आज की बैठक में लाभार्थियों से संपर्क करने, नव मतदाताओं से संपर्क कर उन तक 2014 के पहले के भारत और 2014 के बाद के बदले हुए विकसित भारत की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ पिछड़े, दलित, आदिवासी, युवा और महिलाओं तक सरकार द्वारा उनके लिए किए गए काम की जानकारी पहुंचाने के तौर-तरीकों पर चर्चा हुई और आगे की रणनीति बनाई गई।

बैठक में नव मतदाता संपर्क अभियान, गांव चलो, लाभार्थी संपर्क, पिछड़ा, दलित, आदिवासी युवा, महिला संपर्क अभियान विशेष रूप से संपन्न कराने पर विचार किया गया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी के ये तीन सौ कार्यकर्ता भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों के उम्मीदवारों को जिताने के लिए अपने-अपने दायित्व वाले लोकसभा सीटों पर काम करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी ने दक्षिण भारत के राज्यों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों के लिए अलग से विशेष रणनीति बनाई है। तावड़े ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य मात्र चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय की अवधारणा को साकार करना है, जन-जन तक लास्ट माइल डिलीवरी सुनिश्चित करना है। शाह ने समाज के प्रतिष्ठित और लोकप्रिय व्यक्तियों को भाजपा के साथ जोड़ने पर जोर देते हुए बैठक में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए यह भी कहा कि समाज के अलग-अलग वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व एवं नेता जो राष्ट्रवादी प्रवाह में जुड़ना चाहते हैं, आप उनसे संपर्क करें और आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा की ताकि भारत विकसित राष्ट्र बने।

छत्तीसगढ़ में भाजपा का परफॉर्मेंस अच्छा: शाह

सीएम साय ने ट्वीट कर कहा - मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाने जुट जाएं कार्यकर्ता

लोकसभा चुनाव को लेकर नई दिल्ली में हुई क्लस्टर की बैठक में गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का परफॉर्मेंस अच्छा है. वहां सिर्फ चुनाव को गति देनी है. इसे लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने ट्वीट किया है. सीएम साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ भाजपा के कार्यकर्ता साथियों, जिस अनुसार से हम सभी ने मिलकर प्रतिबद्धता एवं दृढ़ निश्चय से छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत से विजयी दिलाने का अमूल्य प्रयास किया, जिससे आज प्रदेश में भाजपा की सरकार है. इसी तरह आगामी लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के 11 सीटों पर भाजपा को विजय दिलाएंगे, ऐसा संकल्प लें, ताकि हम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री के रूप में देखें.

मुख्यमंत्री साय-विस अध्यक्ष सिंह पहुंचे गुण्डरदेही

श्रीरामचरितमानस वितरण समारोह में हुए सम्मिलित

गुण्डरदेही। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ बालोद जिले के गुण्डरदेही में श्रीरामचरितमानस वितरण समारोह में सम्मिलित हुए इस दौरान समारोह में कांकेर सांसद मोहन मंडावी ने श्रीरामचरितमानस की 51 हजार प्रतियां वितरित करने का अपना लक्ष्य पूरा किया जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज रहेगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए सांसद मोहन मंडावी को बधाई दिया और कहा कि ऐसा काम राम कृपा के बिना नहीं हो सकता

जिसके ऊपर श्री राम की कृपा है वही ऐसा अद्भुत काम कर सकता है, छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पावन आयोजन हमेशा याद रखा जायेगा। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो छत्तीसगढ़ के स्वभाव के अनुरूप मेहनती और ईमानदार हैं, हमारे नये मुख्यमंत्री बोलते कम है, काम ज्यादा करते हैं, उनका लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है और प्रदेश में नई सरकार बनते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संकल्प पत्र की घोषणाओं को पूरा करना शुरू कर दिया जिसका प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पहली ही कैबिनेट बैठक में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 3100 रुपए प्रति क्विंटल में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने का संकल्प पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा से पूछा करते थे कि 2 साल का बकाया बोनस कहां गया, 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर प्रदेश के किसान साथियों को 2 साल का बकाया बोनस देकर माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने उन लोगों का मुंह बंद कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश की सभी माताओं-बहनों से भी यह कहना चाहता हूं कि महतारी वंदन योजना का जो संकल्प है उसे भी यह नई सरकार जल्द पूरा करेगी और महिलाओं को 12000 रुपए वार्षिक मिलना शुरू होगा। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सांसद मोहन मंडावी ने बालोद के चंडी माता मंदिर तथा श्री राम-जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की।

सभी नगर निगम आयुक्त सुबह 6 बजे से फील्ड पर दिखें: साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में शहरों में विकास और सुविधाएं बढ़ाने के काम में तेजी लाने के दिए निर्देश दिए। उनकी समीक्षा बैठक के बाद विभाग ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों के लिए 215 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी गई।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी नगर निगम आयुक्तों को अपनी टीम और जनप्रतिनिधियों के साथ सप्ताह में तीन दिन निर्माण और सफाई कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने इस पर गंभीरता से अमल करते हुए निरीक्षण के फोटो भी साझा करने को कहा। श्री साव ने सभी नगर निगमों में वार्डवार निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान वे खुद भी सबेरे किसी भी दिन किसी भी नगर निगम में पहुंच सकते हैं। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शहरों के सभी वार्डों में जन सहयोग से स्वच्छता अभियान संचालित करने को कहा।

जेल में बंद कैदी भी परिजनों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से कर पाएंगे बात: शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेलों में बंद कैदियों को अपने परिजनों से मिलने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। प्रत्यक्ष मुलाकात के साथ वीडियो कॉल के जरिए भी मुलाकात का मौका दिया जा सकता है। इस बात के संकेत प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को दिए। विजय शर्मा रायपुर केंद्रीय जेल का दौरा करने पहुंचे थे । यहां उन्होंने जेल में बंद कैदियों से बातचीत की। जेल निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने वह सेल भी देखा, जहां वह खुद कभी बंद थे। उन्होंने कहा कि कैदियों को उनके परिजनों से मुलाकात की मौजूदा व्यवस्था में सुधार करने की जरूरत है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का सहारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को पूरा देश राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां मनाएगा, लिहाजा जेलो में भी खुशियां मनाई जाएगी। जेल को रंगीन रोशनी से सजाया जाएगा । कैदियों में मिठाई बांटी जाएगी।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मोदी राज में जनता की बदहाली ही मोदी सरकार की असल गारंटी है

रायपुर। मोदी सरकार के आर्थिक नीतियों और वित्तीय कुप्रबंधन पर सवाल उठाते हुये छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि केंद्र में मोदी की सरकार आने के बाद से कर्ज और जीडीपी का अनुपात बहुत तेजी से बिगड़ना शुरू हुआ, 2016 में देश पर कुल कर्ज जीडीपी के अनुपात का 45 परसेंट था जो वर्ष 2020-21 में 60 प्रतिशत हो गया और वर्तमान में लगभग 81 प्रतिशत से ऊपर पहुंच चुका है। मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले 2014 में देश पर कुल कर्ज का भार 54 लाख करोड़ था जो वर्तमान में बढ़कर 205 लाख करोड़ हो चुका है अर्थात विगत साढ़े 9 वर्ष में ही कर्ज 380 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान ही देश के 30 बड़े सार्वजनिक उपक्रम बेच दिए गए, बनाए/निर्माण एक भी नहीं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी राज में देश के परिवारों की बचत 50 साल में सबसे न्यूनतम स्तर पर है। ये जीडीपी के अनुपात में 5.1 प्रतिशत पर आ गिरा है, जबकि सरकार का कुल कर्ज (राजकोषीय घाटा-केन्द्र सरकार ~ 5.9 प्रतिशत, राज्य ~ 3.1 प्रतिशत) करीब 9 प्रतिशत तक रहने का आकलन है।

नक्सलियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग करने की बात बचकानी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार समझ ही नहीं पा रही कि उसे क्या करना है? राज्य के गृहमंत्री पहले तो कहते है नक्सलियों से सख्ती से निपटा जायेगा, अब उनका बचकाना बयान आया है कि नक्सलवादियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग माध्यम से बात करेंगे। गृहमंत्री के बयान से बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या सरकार के पास नक्सलियों के बारे में पूरी जानकारी है? सरकार को यह पता है कि अमुक व्यक्ति नक्सल गतिविधि में लिप्त है, जब सरकार के पास इतनी पुख्ता जानकारी है तो फिर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करने से रोक कौन रहा है? सरकार नक्सलियों के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय खुद पहल करके बात करने वह भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत का प्रस्ताव क्यों रख रहा है? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार बने एक महिने पूरा हो गया है अभी तक सरकार ने नक्सलवाद जैसे महत्वपूर्ण मसले पर अपना कोई राय नहीं बना पाई है। सरकार मति भ्रम का शिकार है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने नक्सलवाद पर एक ठोस नीति बनाया था विश्वास, विकास, सुरक्षा के मूल मंत्र को लेकर कांग्रेस सरकार आगे बढ़ी थी जिसके सकारात्मक परिणाम आये और राज्य में नक्सली गतिविधियों में 80 प्रतिशत तक की कमी आई थी।

छत्तीसगढ़ में पुलिसकर्मियों को मिलेगा साप्ताहिक अवकाश

रायपुर (राज्य ब्यूरो)। राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी कर दिया गया है। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा के मुताबिक इस आशय का पत्र सभी पुलिस इकाइयों छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया है। जारी परिपत्र में उल्लेखित किया गया है कि आरक्षक से निरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारियों को साप्ताहिक अवकाश प्रदान करने के लिए समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले फील्ड में तैनात पुलिस कर्मियों ने गृहमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर साप्ताहिक अवकाश के संबंध में अपनी मांगें रखी थी।

भारतीय तीरंदाजी का अध्यक्ष चुनने दिल्ली जाएंगे मंत्री बृजमोहन व मुरारका

रायपुर। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष पद के साथ 19 पदों के लिए 19 जनवरी को देश की राजधानी नई दिल्ली के सूरजमल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चुनाव होने जा रहा है जिसमें 35 देशों के 70 लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

छत्तीसगढ़ से धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं सांस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल व छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका भी मतदान करेंगे। वहीं दूसरी ओर मुरारका उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे है। 19 जनवरी को दिल्ली के सूरजमल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक 19 पदों के लिए मतदान होगा, मतदान संपन्न होने के बाद मतों की गिनती शुरु होगी। वर्तमान में भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा है जिनका कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो गया है वे पुनः अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी बनाए गए है। इसके बाद अलावा महामंत्री पद के लिए दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और उपाध्यक्ष के लिए पुनः छत्तीसगढ़ से कैलाश मुरारका को प्रत्याशी मनाया गया है।

शिक्षा विभाग ने तीन अधिकारियों का निलंबन किया बहाल

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने तीन अधिकारियों का निलंबन बहाल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ किया है। वहीं दो प्राचार्यों का तबादला आदेश भी जारी किया है। इसके अलावा दो प्राचार्यों को भी नई जिम्मेदारी दी गई है।

जीएस मरकाम उप संचालक का निलंबन बहाल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर में पदस्थ किया है। वहीं के. कुमार संयुक्त संचालक का भी निलंबन बहाल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर में पदस्थ किया गया है। एसके प्रसाद उप संचालक के निलंब को बहाल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा डी बोस्रत प्राचार्य स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल मोवा को शाउमावि सेजबहार में पदस्थ किया गया है. ज्योतसना केसकर को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बिलासपुर को हाईस्कूल तखतपुर में पदस्थ किया गया है. प्राचार्य राजेश कुमार सिंह प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव और प्राचार्य राजेश वाजपेयी प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी को वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के कार्यालयीन कार्यों के लिए संबद्ध किया गया है।

7 फरवरी को अयोध्या धाम में श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत पहला जत्था दुर्ग से होगा रवाना

आदिवासी समुदाय भगवान श्रीराम के सबसे करीबी, वनवास के दौरान की सुंदर स्मृतियां इनके साथ: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। आदिवासी समुदाय भगवान श्रीराम के सबसे ज्यादा करीबी है। प्रभु के वनवास के दौरान की सुंदर स्मृतियां इनके साथ हैं। लंका विजय तक श्रीराम के पग-पग में आदिवासी उनके साथ रहे। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नईदुनिया समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम श्री रामोत्सव-सबके राम कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम में श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत पहला जत्था 7 फरवरी को दुर्ग से रवाना किया जाएगा। अपने

संबोधन में श्री साय ने बताया कि हमारा प्रदेश भगवान श्रीराम का ननिहाल है। यहां से श्रीराम की बहुत सी सुंदर स्मृतियां जुड़ी हैं। हमारी धरती के रग रग में श्री राम हैं। श्री साय ने कहा कि पुरखों ने बरसों से जो भव्य राम मंदिर का सपना देखा था। वो पूरा हो रहा है। देश ही नहीं दुनिया भर में राम भक्तों में इस उत्सव को लेकर भारी उत्साह है। आज नईदुनिया समूह यह सुंदर कार्यक्रम कर रहा है अभी मैंने यहां वक्ताओं को सुना भी। कैबिनेट की बैठक नहीं होती तो संतों को देर तक सुनने का अवसर मिल पाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामराज्य आदर्श राज्य है। छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलने का पूरा प्रयास करेंगे। संतों के आशीर्वाद से इस दिशा में हम संकल्पबद्ध होकर कार्य करेंगे। आम जनता की बेहतरी के लिए मोदी जी ने जो गारंटी दी है। उसे पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में रामभक्ति का सुंदर माहौल तैयार हुआ है। सैकड़ों मानस मंडलियां मानस का पाठ कर रहे हैं। अभी मैं गुंडरदेही से लौटा हूँ। वहां पर आज ही मानस की 3 हजार प्रतियां बांटी गई हैं।

मुख्यमंत्री साय ने बालोद जिले को दी 173 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बालोद जिले को 173 करोड़ रुपये से अधिक के 83 विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 4.900 करोड़ रूपये लागत के 23 विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन और 168.18 करोड़ रूपये लागत के 60 विभिन्न कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बालोद जिले के तहसील मुख्यालय गुण्डरदेही में आयोजित कार्यक्रम

में संजारी बालोद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 17.414 करोड़ रूपये लागत के 24 कार्य, डौंडीलोहारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 140.188 करोड़ रूपये के लागत के 20 कार्य, गुण्डरदेही विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत 10.583 करोड़ रूपये लागत के 16 कार्यों का लोकार्पण और डौंडीलोहारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 4.703 करोड़ रूपये लागत के 21 कार्य और गुण्डरदेही विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 0.200 करोड़ रूपये लागत के 02 कार्यों का भूमि पूजन कर जिलेवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.